दैनिक सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 251/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2।10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, बुधवार 16 अप्रैल 2025 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

पीएम मोदी का जम्मू कश्मीर दौरा स्थगित

कटरा से श्रीनगर वंदे भारत ट्रेन के लिए करना होगा इंतजार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 19 अप्रैल को प्रस्तावित जम्मू-कश्मीर यात्रा को स्थगित कर दिया गया है। इस दौरे में पीएम मोदी कटरा से श्रीनगर तक वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाने वाले थे। यह जानकारी केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने दी।

इस यात्रा को स्थगित करने का फैसला खराब मौसम की चेतावनी के कारण लिया गया है। भारतीय मौसम विभाग (दृष्ट) के श्रीनगर कार्यालय ने 18 और 19 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के अधिकांश हिस्सों में भारी वर्षा की संभावना जताई है। विशेष रूप से इन दो दिनों में मौसम का असर सबसे ज्यादा रहने की संभावना है।

सुरक्षा एजेंसियों ने बड़े पैमाने पर तैयारी की

पीएम के दौरे को लेकर राज्य प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों ने बड़े पैमाने पर तैयारी की थी। 272 किलोमीटर लंबी उधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लाइन (यूएसबीआरएल) पर पहले ही मॉक ड्रिल और ट्रायल रन आयोजित किए थे। मंगलवार को इस खंड पर ट्रेन का सफल ट्रायल रन किया गया।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जम्मू-कश्मीर पुलिस और सुरक्षा बलों ने सघन तलाशी और कॉम्बिंग ऑपरेशन शुरू कर दिए थे। विशेष सतर्कता कठुआ, उधमपुर, रियासी और रामबन जिलों में बरती जा रही थी। इसके अलावा पुंछ जिले के लस्साना के जंगलों में भी तलाशी अभियान चलाया गया।

जल्द घोषित होगी नई तारीख

मंगलवार को ही कश्मीर जोन के पुलिस महानिरीक्षक वी. के. बिर्दी ने श्रीनगर में एक उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की, जिसमें पीएम की यात्रा और आगामी अमरनाथ यात्रा (जो 3 जुलाई से शुरू होगी) की तैयारियों की समीक्षा की गई।

सांध्यप्रकाश विशेष

आज शाम नीमच आएंगे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, कल सीआरपीएफ के कार्यक्रम में होंगे शामिल

भोपाल। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह दो दिवसीय दौरे पर बुधवार को शाम को प्रदेश के नीमच आएंगे। शाह 16 अप्रैल को शाम को नीमच पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव उनका स्वागत करेंगे। दोनों नेता नीमच में रात्रि विश्राम करेंगे। 17 अप्रैल सुबह 8 बजे सीआरपीएफ के परेड ग्राउंड पहुंचेंगे। यहां वे 'राइजिंग डे' कार्यक्रम के तहत आयोजित परेड में हिस्सा लेंगे और सलामी लेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी मौजूद रहेंगे। परेड का समापन सुबह 10.20 बजे तक होगा। इसके बाद शाह, सीआरपीएफ परिसर में ही अन्य निर्धारित कार्यक्रमों में भाग लेंगे। दोपहर लगभग 1.35 बजे वे दिल्ली के लिए रवाना होंगे।

कृषि मंत्री शिवराज ने ब्राजील के कृषि व्यापार समुदाय के सदस्यों से की चर्चा

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ब्राजील में हैं। उन्होंने एक्स पर ट्वीट किया ब्रिक्स कृषि मंत्रियों की बैठक में भाग लेने पहुंचा हूं।

इस दौरान आज साओ पाउलो में ब्राजील के कृषि व्यापार समुदाय के सदस्यों से संवाद हुआ। कृषि व्यापार, खाद्य प्रसंस्करण, बायोफ्यूल, बायोएनर्जी, तकनीकी नवाचार व आपूर्ति श्रृंखला के एकीकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा हुई है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि दोनों देशों के परस्पर सहयोग और संयुक्त प्रयासों से न केवल हमारे किसान सशक्त तथा समृद्ध होंगे, बल्कि वैश्विक खाद्य सुरक्षा को भी नई दिशा मिलेगी।

सरकार का फैसला : 35 दवाओं के उत्पादन और बिक्री पर लगी रोक

नई दिल्ली। सरकार ने निश्चित खुराक संयोजन (एफडीसी) वाली 35 दवाओं के उत्पादन, बिक्री और वितरण पर रोक लगा दी है। बिना अनुमति बिक रहीं इन दवाओं का लोगों के सेहत पर गलत प्रभाव पड़ने के मामले सामने आने के बाद यह फैसला लिया गया है। इसे लेकर शीर्ष औषधि नियामक संस्था (सीडीएससीओ) ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के औषधि नियंत्रकों को पत्र लिखकर गैर-अनुमोदित 35 निश्चित खुराक संयोजन दवाओं के निर्माण, बिक्री और वितरण पर रोक लगाने के निर्देश दिए हैं।

राज्य में दूध उत्पादन के लिए तेजी से काम कर रहे हैं: मोहन यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि हम अपने राज्य में दूध उत्पादन के लिए तेजी से काम कर रहे हैं। इस दिशा में हमने कामधेनु योजना शुरू की, डॉ. अंबेडकर के नाम पर विभिन्न गौशालाएं शुरू कीं, सरकार ने दुधारू पशुओं को बढ़ावा देने के लिए अनुदान शुरू किया। सभी लोग राज्य की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने का प्रयास कर रहे हैं और हम इस दिशा में लगातार काम कर रहे हैं। कल ही हमने कैबिनेट के माध्यम से कृषि की बेहतरी को लेकर किसान आधारित नीति की घोषणा की है। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लक्ष्मीकांत वाजपेयी, राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत गौतम, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह, प्रदेश शासन के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद जी, अजा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य एवं अजा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. कैलाश जाटव ने भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय में प्रदेश स्तरीय वक्ता कार्यशाला का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया।

वीडियो के माध्यम से मुख्यमंत्री ने कहा, मुझे खुशी है कि आज मैं अपनी बहनों के खातों में पैसे डालने के लिए मंडला जा रहा हूं। हम प्रत्येक जिले की बेहतरी के लिए काम कर रहे हैं।

27 लाख लाड़ली बहनों के खातों में भेजी सम्मान निधि

आज एक करोड़ 27 लाख लाड़ली बहनों के खातों में अप्रैल माह की किस्त 1552 करोड़ 38 लाख रुपए अंतरित किए। लाड़ली बहनों को मिलने वाली यह 23वीं किस्त है। योजना में प्रत्येक लाड़ली बहना को प्रत्येक माह 1250 रूपये की राशि उनके खातों में अंतरित की जाती है। इसके अलावा 56 लाख 68 हजार सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों के खातों में 340 करोड़ रूपए की राशि और 25 लाख से अधिक बहनों को सिलेंडर रिफिलिंग की 57 करोड़ की राशि भी उनके खातों में सिंगल क्लिक से भेजी।

ईडी के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

दिग्विजय बोले- गांधी परिवार पर भ्रष्टाचार का आरोप नहीं

सीएम बोले- अपराध करते हो फिर प्रदर्शन

भोपाल। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कांग्रेस के अखबार नेशनल हेराल्ड और एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) से जुडे मनी लॉन्ड्रिंग केस में मंगलवार को पहली चार्जशीट दाखिल की है। इस चार्जशीट में सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सैम पित्रोदा और सुमन दुबे के नाम शामिल हैं। ईडी की इस कार्रवाई के खिलाफ आज भोपाल सहित प्रदेशभर के सभी जिला मुख्यालय पर कांग्रेस प्रदर्शन कर रही है। इस मामले की सुनवाई 25 अप्रैल को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में होगी। कोर्ट ने ईडी से मामले की केस डायरी भी मांगी है। 2012 में भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने सोनिया, राहुल और उनकी सहयोगी कंपनियों से जुड़े लोगों के खिलाफ इस मामले की शिकायत की थी।

ईडी, आईटी व सीबीआई का राजनीतिक हथियार के रूप में दुरुपयोग कर रहे

सोनिया, राहुल के खिलाफ चार्जशीट दाखिल करने के मामले पर कांग्रेस सांसद और पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने कहा, भारतीय जनता पार्टी और आरएसएस मिलकर ईडी, आईटी और सीबीआई को एक राजनीतिक हथियार के रूप में दुरुपयोग कर रहे हैं, हम इसकी निंदा करते हैं। दिग्विजय सिंह ने कहा, ईडी, आईटी, सीबीआई कितना ही इसमें जांच कर लें, नेशनल हेराल्ड के केस में किसी भी खाते से चाहे पंडित जवाहरलाल नेहरू से लेकर आज तक किसी भी नेहरू गांधी परिवार ने निजी तौर पर 1रुपए, एक पैसे का भी इसका उपयोग नहीं किया है। इसलिए जो कुछ आज किया गया है, उसकी हम घोर निंदा करते हैं।

सीएम बोले- कांग्रेस मूल संविधान को भूल गई

सीएम डॉ मोहन यादव ने कांग्रेस पर संविधान के जरिए निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की चमड़ी बड़ी मोटी है। यह मूल संविधान को भूल गए हैं। एक छोटी सी किताब लेकर घूमते है, उसे दिखाते है, अगर संविधान में बदलाव करने का काम किसी ने किया तो वह कांग्रेस पार्टी है। इनकी इस छोटी किताब में केवल अपने मतलब की बात होती है, जैसे परीक्षार्थी मूल सिलेबस छोड़कर एक छोटी किताब से पढ़ते है, वैसे ही कांग्रेस करती है। सीएम ने नेशनल हेराल्ड को लेकर कहा, बाबा साहब के संविधान से न्यायालय चलता है। नेशनल हेराल्ड मामले में चार्जशीट फाइल होने वाली है, तो पूरी कांग्रेस कह रही है कि वह सरकारी दफ्तर घेरेंगे अरे भाई कानून सबके लिए एक जैसा है, पहले अपराध करो और फिर सरकारी दफ्तर घेरों, यह कहां की बात हुई।

कमलनाथ बोले- राजनीतिक षडयंत्र, कांग्रेस की छवि निखरेगी

नेशनल हेराल्ड मामले में भाजपा जिस प्रतिशोध की आग में गांधी परिवार को झुलसाना चाहती है, वहां से उनकी छवि और निखर कर जनता के बीच सामने आएगी। नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी सहित कई कांग्रेस नेताओं पर ईडी चार्जशीट दाखिल कर भाजपा सरकार ने अपनी हताशा का प्रदर्शन किया है। भाजपा की कोशिश है कि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की आवाज दबा कर भारत की जनता की आवाज दबा दी जाए। इसलिए जानबूझकर एक ऐसे मामले को उठाया जा रहा है, जिसमें कोई दम ही नहीं है। यह एक खुला राजनीतिक षडयंत्र है जिससे गांधी परिवार की छवि ख़राब करने की कोशिश की जा रही है।

बस्तर में 2 दुर्दांत नक्सलियों को सुरक्षाबलों ने मार गिराया, तलाशी जारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में नारायणपुर और कोंडागांव जिले की सरहद पर पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। दोनों तरफ से हुई गोलीबारी में जवानों ने 2 नक्सलियों को ढेर कर दिया। मारे गए नक्सलियों में हलदर DVCM (डिविजनल कमेटी मेंबर) पर 5 लाख और रामे ACM (एरिया कमेटी मेंबर) पर 5 लाख का इनाम था। शव के साथ AK-47 जैसे ऑटोमैटिक वेपंस भी बरामद हुए हैं। जवानों ने 2025 में अब तक 148 नक्सलियों को मार गिराया है। दरअसल, पुलिस को सूचना मिली थी कि, कोंडागांव और नारायणपुर जिले की सरहद पर स्थित किलम-बरगुम इलाके में नक्सलियों का जमावड़ा है। इसी सूचना के आधार पर DRG (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) और बस्तर फाइटर्स की टीम को 15 अप्रैल को मौके पर भेजा गया।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल से राजभवन में उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने सौजन्य भेंट की।

सुप्रीम कोर्ट बोला- भाषा का धर्म नहीं होता

बोर्ड से उर्दू हटाने की याचिका पर कहा- इसे सिर्फ मुसलमानों की भाषा मानना गलत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र के अकोला जिले के पाटुर नगर परिषद के बोर्ड पर मराठी के साथ उर्दू भाषा के उपयोग को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया है। मंगलवार को कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि भाषा का धर्म नहीं होता और उर्दू को केवल मुसलमानों की भाषा मानना सच्चाई और भारत की विविधता की एक दुर्भाग्यपूर्ण गलतफहमी है।

यह याचिका पूर्व नगरसेविका वर्षाताई संजय बगाड़े ने दायर की थी, जिसमें कहा गया था कि नगर परिषद का कार्य केवल मराठी में ही हो सकता है और उर्दू का उपयोग बोर्ड पर भी नहीं होना चाहिए। पहले यह याचिका नगर परिषद और फिर बॉम्बे हाईकोर्ट ने खारिज कर दी थी। अंत में याचिकाकर्ता सुप्रीम कोर्ट पहुंचीं। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की बेंच ने फैसला सुनाते हुए कहा कि ÷भाषा किसी धर्म की नहीं, बल्कि समुदाय, क्षेत्र और लोगों की होती है। भाषा संस्कृति होती है और समाज की सभ्यतागत यात्रा का मापदंड होती है।

वक्फ कानून पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई विरोध में 70 याचिका की गई दायर

नई दिल्ली। नए वक्फ कानून के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई है। संजीव खन्ना और जस्टिस पीवी संजय कुमार की बेंच दोपहर 2 बजे से सुनवाई करेगी। धार्मिक संस्थानों, सांसदों और राजनीतिक दलों ने कानून के खिलाफ 70 से ज्यादा याचिकाएं दाखिल की हैं। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने 10 याचिकाओं को सूचीबद्ध किया है। कांग्रेस, जेडीयू, आम आदमी पार्टी, डीएमके और सीपीआई के नेताओं, धार्मिक संगठन, जमीयत उलेमा हिंद और ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने वक्फ कानून को चुनौती दी है। वक्फ कानून के खिलाफ 70 से ज्यादा याचिकाएं दाखिल की।

ग्लोबल स्टार सिंगर कैटी पेरी स्पेस की सैर कर लौटी, लैंडिंग के बाद धरती को चूमा

नई दिल्ली। ग्लोबल स्टार सिंगर कैटी पेरी ने अंतरिक्ष की सैर कर इतिहास रच दिया। जेफ बेजोस की स्पेस कंपनी ब्लू ओरिजिन के न्यू शेफर्ड प्रोग्राम के एनएस-31 मिशन के तहत कैटी पेरी सहित छह महिलाओं की एक टीम ने पृथ्वी से सैकड़ों किलोमीटर ऊपर अंतरिक्ष की यात्रा की। इस खास मिशन में कैटी के साथ जेफ बेजोस की मंगेतर लॉरेन सांचेज, टीवी होस्ट गेल किंग, मानवाधिकार कार्यकर्ता अमांडा गुयेन, फिल्म निर्माता केरियन फ्लिन और नासा की पूर्व रॉकेट वैज्ञानिक आयशा बोवे शामिल थीं। सोमवार को ब्लू ओरिजिन के न्यू शेफर्ड रॉकेट ने पृथ्वी से लगभग 100 किलोमीटर की ऊंचाई तक उड़ान भरी और कामरान लाइन को पार किया, जिसे अंतरिक्ष की आधिकारिक सीमा माना जाता है। यह पूरी यात्रा 11 मिनट की थी, जिसमें यात्रियों ने करीब 4 मिनट अंतरिक्ष में बिताए। मिशन के बाद कैप्सूल सुरक्षित रूप से धरती पर लौट आया। कैप्सूल से बाहर निकलते ही कैटी पेरी ने एक्साइटमेंट में धरती को चूम लिया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस यात्रा के बाद अपना एक्सपीरियंस शेयर करते हुए कैटी पेरी ने कहा, यह मेरे लिए मां बनने के बाद का सबसे अनमोल पल था। अंतरिक्ष का यह अनुभव बेहद जादुई और अविस्मरणीय था। मैं इसे अपने दिल में हमेशा सहेजकर रखूंगी। इस उपलब्धि के साथ कैटी पेरी उन चुनिंदा अमेरिकी महिलाओं में शामिल हो गईं, जिन्होंने अंतरिक्ष में कदम रखा और सुरक्षित धरती पर लौटीं।

साधु वासवानी स्कूल में जल गंगा जल संवर्धन अभियान में हुई प्रतियोगिताएं

संत हिरदाराम नगर। सुधार सभा द्वारा संचालित साधु वासवानी स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा चित्रकला, आर्ट एण्ड क्रॉफ्ट, खेलकूद एवं जल संवर्धन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा नर्सरी से केजी-2 के बच्चों ने चित्रकला, आर्ट एण्ड क्रॉफ्ट, खेलकूद प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में भाग लिया एवं कक्षा पहली से पॉचवीं तक के विद्यार्थियों ने पेड़ व गंगा जल के पानी का सरंक्षण पर चित्रकला बनाई व कक्षा छठवीं से आठवीं तक के विद्यार्थियों ने निबंध प्रतियोगिता में भाग लिया। शिक्षाविद् विष्णु गेहानी ने विद्यार्थियों का उत्सावर्धन करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यालय में होनी चाहिए इससे विद्यार्थियों की छुपी हुई प्रतिभा निखरकर सामने आती है एवं उनका उत्साहवर्धन भी होता है। इस प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय आने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया जाएगा।

देवोत्तर फाउंडेशन द्वारा आयोजित गीत संगीत कार्यक्रम पॉलिटेक्निक सभागार भोपाल में परशुराम कल्याण बोर्ड के कैबिनेट मंत्री का दर्जा अध्यक्ष पंडित विष्णु राजोरिया, पूर्व कैबिनेट मंत्री पी. सी शर्मा एवं अन्य धर्माचार्य महाराज की उपस्थिति में गरिमामय कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर कालिदास संस्कृत अकादमी के उपनिदेशक पंडित दिनेश कुमार मिश्रा का सम्मान किया गया।

जयपुर में गुजराती ब्राह्मण समाज का परिचय सम्मेलन जयपुर में

भोपाल। गुजराती ब्राह्मण समाज राजस्थान, जयपुर के तत्वाधान में गुजराती ब्राह्मणों के विवाह योग्य युवक- युवतियों का परिचय सम्मेलन 25 मई को जयपुर में आयोजित किया जा रहा है। परिचय सम्मेलन में समस्त गुजराती ब्राह्मण यथा औदीच्य, नागर, पृश्नौरा, औदुम्बर, त्रिवेदी मेवाड़ा, भट्ट मेवाड़ा व मोड़ गुजराती आदि परिवारों के विवाह योग्य इच्छुक युवक-युवती परिचय प्रदान करने हेतु भाग ले सकते हैं। परिचय सम्मेलन में भाग लेने हेतु निर्धारित प्रपत्र में प्रविष्टियां, निर्धारित शुल्क रूपए 500 जमा करने के साथ एक पासपोर्ट फोटो एवं एक परिचायक का करीब 1 से 3 मिनट का वीडियो जिसमें वह स्वयं के बारे में जानकारी दे रहे हो को, प्रपत्र में दिये गये पते या व्हाट्स एप नम्बर +91 7011804155 विनोद प्रकाश नागर या प्रपत्र में अंकित ई-मेल gbs.raj@gmail.coद्व पर 10 मई 2025 से पूर्व भिजवाया जाना आवश्यक है। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त होने वाली प्रविष्टियों को प्रकाशित रंगीन परिचय पुष्प पुस्तिका में सम्मिलित किया जाना सम्भव नहीं होगा।

युवाओं के कौशल के संरक्षण के लिए योगाधारित शिक्षा प्रणाली की आवश्यकता: योग गुरु महेश अग्रवाल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल कई वर्षो से नि:शुल्क योग प्रशिक्षण के द्वारा लोगों को स्वस्थ जीवन जीने की कला सीखा रहें है वर्तमान में भी ऑनलाइन एवं प्रत्यक्ष माध्यम से यह क्रम अनवरत चल रहा है। योग प्रशिक्षण के दौरान केंद्र पर आने वाले बच्चों का योग से जुड़े रहें इसका विशेष ध्यान रखा जाता है बच्चों में सीखने की जिज्ञासा बढ़े उनके कौशल का विकास हो ऐसा अभ्यास करवाया जाता है।

योग गुरु अग्रवाल ने बताया कि आदर्श शिक्षा आर्थिक परिणामों से सम्बद्ध नहीं होनी चाहिये। शिक्षा को मनुष्य की अंतर्निष्ठ प्रतिभा को प्रकट करने में और क्रम विकास की प्रक्रिया में सहायता करनी चाहिये जिससे उसका एक समन्वित एवं संतुलित व्यक्तित्व विकसित हो सके और उसमें दिव्यता का जागरण हो सकें। युवा अपने कौशल एवं उधमिता को पहचान सकें। आज भी कई ऐसे देश और समाज हैं जहां भारी संख?या में युवा बेरोजगार हैं। यह एक वैश्विक चिंता का विषय बना हुआ है। ऐसे में उन?हें कौशल बनाने और उनकी क्षमता के विकास के लिए जागरूकता पैदा करना ज़रूरी है। शिक्षा प्रणाली युवाओं को रोजगार, अच्छे काम और उद्यमिता के लिए कौशल से लैस करने के रणनीतिक महत्व पर केंद्रित होना चाहिए। जिससे वह बेहतर अवसरों की तलाश कर रोज़गार प्राप्त कर सकें।योग गुरु महेश अग्रवाल ने सकारात्मक विकास के बारे बताया कि कल्पना कीजिए कि पूरे विश्व के स्कूलों में गणित या विज्ञान की तरह योग पढ़ाया जाए तो क्या होगा? जब हम यह मानते हैं कि विश्व की साठ प्रतिशत जनसंख्या बच्चों की है तो परिणाम अवश्य अचंभित करने वाले होंगे। हर जगह युवाजन सुव्यवस्थित, स्वस्थ और खुश होंगे। वे संवेदनशील और समझदार, शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ, अपनी क्षमताओं के प्रति अधिक सजग और उनके कार्यान्वयन में अधिक समर्थ होंगे। अपने आध्यात्मिक अनुभव के कारण वे चेतना के उच्चतर स्तर पर कार्य करने में सक्षम होंगे। अपने इस अनुभव का उपयोग वे अपने बाह्य जीवन में, अपने व्यवसाय में और सामाजिक उत्तरदायित्वों में कर सकते हैं। योग सेवा के लिए प्रोत्साहित करता है, इसका उपयोग मानवता को लाभ पहुँचाने में किया जा सकता है। विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में योग का समावेश करने पर वहाँ से बेहतर स्नातक बाहर आयेंगे जो अपने काम में अपनी बुद्धि उपयोग अधिक सजगता से करेंगे।

युवा या वृद्ध, हर व्यक्ति को योगोन्मुख होना चाहिए। युवा वर्ग तथा सारे विश्व के भविष्य को योग जैसी प्रणाली की आवश्यकता होगी। योग का अर्थ है संगम और इसे हम वैश्विक स्तर पर प्राप्त कर सकते हैं - समस्त विश्व के लोगों का सौहार्द्रपूर्ण संगम योग के माध्यम से हर व्यक्ति अपनी संस्कृति और अपने जीवन के बारे में ऐसी सूक्ष्म जानकारी प्राप्त कर सकेगा जो पहले उसके लिए अकल्पनीय थी। यह है योग की शक्ति। यह कोई धर्म नहीं है, बल्कि हमारी पहुँच के अंदर जीवन का विज्ञान है। यदि हम स्वयं को अपने और अपने बच्चों के भविष्य के प्रति उत्तरदायी मानते हैं तो हम यह सुनिश्चित करेंगे कि मनुष्य का विकास सकारात्मक दिशा में हो रहा है। तभी युद्ध बंद होंगे, तभी मनुष्य अपने साथियों से प्रेम करने योग्य होगा, तभी बुजुर्ग युवाओं को और युवा बुजुर्गों को समझ पायेंगे।

डॉ. अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर बालिस्ता रावत ने जयंती मनाई

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी भोपाल जिला अध्यक्ष रविन्द्र यति, जिला मीडिया प्रभारी राजेंद्र गुप्ता, अनुसूचित जनजाति मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, भोपाल जिला प्रभारी बालिस्ता रावत के उपस्थिति में एवं अनुसूचित जनजाति मोर्चा जिला अध्यक्ष, वार्ड 60 के पार्षद अधिवक्ता बी.शक्ति राव के नेतृत्व में डॉ.भीमराव अंबेडकर बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण, पुष्पांजलि कर मनाई जयंती। बालिस्ता रावत ने बताया कि, भारत रत्न से सम्मानित डॉ.भीमराव अंबेडकर जी, महान संविधान शिल्पी और करोड़ों देशवासियों की आत्म गौरव के प्रतीक है, शिक्षा और न्याय के बल पर समरसता, स्वतंत्रता पर आधारित संविधान की रचना कर भारत की महान लोकतांत्रिक विरासत को सुदृढ़ प्रदान किया, अंबेडकर जी ने अनुसूचित जाति, जनजाति, गरीबों, महिलाओं के कल्याण तथा देश के उत्थान के लिए संघर्ष करते-करते अपना जीवन समर्पण कर दिया ऐसे महापुरुष को शत-शत नमन ।

कार्यक्रम में अनुसूचित जनजाति मोर्चा जिला मीडिया प्रभारी अधिवक्ता भास्कर राव, हरिश प्रसाद तिवारी, सुरेंद्र रॉय, सुनील, शेखर तथा अनेकों कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

एलवीएस स्कूल एवं पीकेपीएस स्कूल का आशीर्वाद समारोह सम्पन्न

स्वयं के परिश्रम के बिना विद्या धन प्राप्त नहीं किया जा सकता:सिद्ध भाऊ

संत हिरदाराम नगर। लक्ष्मीदेवी विक्योमल शर्राफ एज्यूकेशनल सोसायटी द्वारा संचालित लक्ष्मीदेवी विक्योमल शर्राफ उ.मा.विद्यालय एवं प्रेरणा किरण पब्लिक स्कूल गांधीनगर में आशीर्वाद समारोह आयोजित किया गया। कक्षा 12वीं की छात्रा कु इशिका साहू को स्टूडेन्ट ऑफ द ईयर और कु सानिया घोषी को मिस एल.वी.एस. का अवार्ड दिया गया। प्रेरणा किरण पब्लिक स्कूल के छात्र चन्द्रप्रकाश नागर को मिस्टर पी.के.पी.एस. और कृष्णा पंजवानी को स्टूडेन्ट ऑफ द ईयर का अवार्ड दिया गया। साथ ही सिद्ध भाऊ द्वारा छात्रों को स्मृति चिन्ह एवं पुरस्कार दिया गया। बारहवीं के बच्चों ने ग्यारहवीं के बच्चों को ज्ञान की ज्योति प्रदान की एवं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। इस अवसर पर रमेश हिंगोरानी, मनोहर वासवानी, भगवानदास दामानी, योगेश हिंगोरानी, नीलेश हिंगोरानी एवं विद्यालय का समस्त स्टॉफ व बच्चे उपस्थित थे। सिद्ध भाऊ ने अपने उद्बोधन में कहा कि विद्या वह धन है जो कोई चुरा नहीं सकता और बिना स्वयं के परिश्रम के विद्या धन प्राप्त भी नहीं किया जा सकता, इस बात को जो जितनी जल्दी समझ जाता है उसका भविष्य उज्जवल हो जाता है। उन्होंने महापुरूषों के उदाहरण देते हुए बताया कि जैसे अब्दुल कलाम, अटल बिहारी वाजपायी, नरेन्द्र मोदी ने फालतू बातों की ओर समय न गवांकर पढ़ाई और गरीबी से निजात पाई। आर्थिक संपन्नता, गाड़ी-घोड़े, नौकर-चाकर पाने का एक ही तरीका है वह है वह है पढ़ाई। उन्होंनें बच्चों को बताया कि अपने माता-पिता का सदैव सम्मान करें क्योंकि उन्होंनें आपको पढ़ाने के लिए अपनी ख्वाईशों का त्याग किया है। बच्चों को माता-पिता की कुर्बानियों को सदैव याद रखकर एक लक्ष्य निर्धारित कर उसे पूरा करने में लग जाना चाहिए। और अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी आपका कर्तव्य है। साथ ही अपनी संगति का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए, मित्र हमेशा ऐसे बनाने चाहिए जो स्वयं आगे बढ़े और आपको भी आगे बढ़ाए।

संत हिरदाराम गर्ल्स साइंस कॉलेज में डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती मनाई गई

संत हिरदराम नगर। शिक्षा और समानता विषय पर निबंध एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता के आयोजन में 50 से अधिक छात्राओं ने लिया भाग, संत हिरदाराम गर्ल्स साइंस कॉलेज में भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती शिक्षा और समानता विषय पर आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से श्रद्धा और उत्साहपूर्वक मनाई गई। छात्राओं ने डॉ. आंबेडकर द्वारा स्थापित शिक्षा, समानता और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों पर अपने विचार व्यक्त किए। प्रतियोगिताओं का मूल्यांकन कॉमर्स विभागाध्यक्ष आकांक्षा अरोरा एवं असिस्टेंट प्रोफेसर प्रो. गीतांशी बुट्टन अंग्रेजी विभाग द्वारा किया गया। दोनों निर्णायकों ने छात्राओं को उचित मार्गदर्शन प्रदान करते हुए निष्पक्ष निर्णय दिया। इस अवसर पर कॉलेज की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी उपस्थित रहीं। उन्होंने छात्राओं को डॉ. अंबेडकर के जीवन और उनके योगदान की जानकारी देते हुए उत्साहवर्धक संदेश दिया और सभी प्रतिभागियों की सराहना की। साथ ही उन्होंने आयोजन समिति की सदस्याओं डॉ. शांति शर्मा, सोनिया शर्मा एवं डॉ. विभा खरे को कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए हार्दिक बधाई एवं धन्यवाद दिया।

भोपाल, इंदौर-उज्जैन में 41 पर पहुंचेगा पारा, ग्वालियर-चंबल भी गर्म रहेंगे

भोपाल। प्रदेश में अगले 3 दिन तेज गर्मी का असर रहेगा। ग्वालियर, चंबल, इंदौर और उज्जैन संभाग के जिलों में हीट वेव यानी, लू भी चल सकती है। बुधवार को प्रदेश के सभी जिलों में गर्मी बढ़ेगी। भोपाल, इंदौर, उज्जैन और सागर संभाग में पारा 41 डिग्री के पार रहेगा। मौसम विभाग ने 18 अप्रैल तक तेज गर्मी की संभावना जताई है। इस दौरान बारिश के आसार नहीं है। पूर्वी हिस्से यानी, जबलपुर, रीवा-शहडोल संभाग में कहीं-कहीं बूंदाबांदी हो सकती है।

तीन सिस्टम एक्टिव है: मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में अभी तीन सिस्टम एक्टिव है। इनमें दो साइक्लोनिक सकुर्लेशन और तीसरा ट्रफ शामिल हैं। 16 अप्रैल से पश्चिमी हिमालय क्षेत्र को नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) प्रभावित कर सकता है। ऐसा होता है तो प्रदेश में दो दिन बाद असर देखने को मिलेगा। जिससे पारे में 2 से 3 डिग्री की गिरावट हो सकती है।

यहां पर सबसे ज्यादा गर्मी: मप्र में मंगलवार को तेज गर्मी का असर रहा। इस कारण कई शहरों में दिन का पारा 40 डिग्री के पार पहुंच गया। दोपहर में रतलाम के सैलाना में कुछ देर तक बारिश भी हुई। यही पर सबसे ज्यादा गर्मी दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार को रतलाम में अधिकतम तापमान 42.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। धार-नर्मदापुरम में 41.2 डिग्री, खंडवा में 41.1 डिग्री, शाजापुर-नरसिंहपुर में 40.6 डिग्री और खरगोन में तापमान 40.2 डिग्री सेल्सियस रहा। उज्जैन में सबसे ज्यादा 40.8 डिग्री रहा। इंदौर में 40.1 डिग्री, भोपाल में 39.5 डिग्री, जबलपुर में 38.6 डिग्री और ग्वालियर में तापमान 37.7 डिग्री दर्ज किया गया।

वर्ल्ड आर्ट डे पर स्कोप ग्लोबल स्किल्स विवि में हुआ सृजन सरोकार उत्सव का आयोजन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

वर्ल्ड आर्ट डे के उपलक्ष्य में स्कोप ग्लोबल स्किल्स विश्वविद्यालय में सृजन सरोकार उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर चित्रकला एवं कार्टून प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें 100 से अधिक छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया जिनमें स्कोप पब्लिक एच आर. सेकेंडरी स्कूल, सरोजिनी नायडू सरकारी गर्ल्स पीजी कॉलेज, सागर पब्लिक स्कूल (कटारा एक्सटेंशन), तक्षशिला कॉलेज, सेंट जोसेफ़ कॉन्वेंट स्कूल (इदगाह हिल्स), अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, एवं मॉडल एचआर. सेकेंडरी स्कूल और स्कोप ग्लोबल स्किल्स विश्वविद्यालय आदि प्रमुख रहे। प्रतिभागियों ने अपनी कल्पनाओं को रंगों व रेखाओं के माध्यम से जीवंत किया और सामाजिक कुरीतियों और समकालीन मुद्दों पर प्रभावशाली अभिव्यक्ति दी। चित्रकला प्रतियोगिता के प्रथम स्थान- आर्यन साहू , द्वितीय स्थान- जय प्रकाश और तृतीय स्थान सुश्री ईशिका श्रीवास्तव ने प्राप्त किया। वहीं कार्टून प्रतियोगिता में प्रथम स्थान- आग्रणी मिश्रा द्वितीय स्थान- अभिषेक सोनी और तृतीय स्थान- बद्रीनाथ के वी ने प्राप्त किया। छोटे

बच्चों की चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हर्ष बरेठा, द्वितीय स्थान- सलोनी बरेठा और तृतीय स्थान हर्षित मिश्रा ने प्राप्त किया। प्रतियोगिता के पश्चात आर्ट अप्रीशीऐशन का वर्कशॉप हुआ। अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अर्जुन कुमार सिंह ने कार्यक्रम की संकल्पना पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कला मानवीय संस्कृति, इतिहास और सामाजिक चेतना का आधार है और इसके संवर्धन से ही समाज का विकास संभव है। वर्कशॉप के मेंटर डॉ. रितेश रंजन विभागाध्यक्ष, जागरण स्कूल ऑफ डिजाइन, जे एल यू, भोपाल ने कार्यशाला में विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि कला ही एक मात्र जरिया है जिसके माध्यम से मनुष्यों में मनुष्यता को जीवित रखा जा सकता है। कला ही वह एक माध्यम है जिसके भीतर से सच्चे इतिहास की पड़ताल की जा सकती है। उन्होंने कहा विश्व की कोई भी सभ्यता अपने कलाओं के लिए जानी जाती है अपने युद्धों के लिए नहीं। उन्होंने कहा की द्व से डरने की जरूरत नहीं; यह मनुष्य की सृजनात्मकता को नष्ट नहीं कर सकेगा। आज सबसे महत्वपूर्ण यह है कि हम जाने की कला क्यों और किस उद्देश्य के लिए रच रहे हैं। कला सामाजिक बदलाव का सशक्त माध्यम बन सकती है। स्कोप ग्लोबल स्किल्स विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ विजय सिंह ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा, यह दिन न केवल कलाकारों के लिए, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति के लिए प्रेरणादायक है जो जीवन में सौंदर्य और रचनात्मकता को महत्व देता है।

डॉ. दृष्टिपल सिंह परिहार ने कहा कि कला हमारे तनावमुक्त जीवन की कुंजी है और यह मनुष्य की सृजनात्मकता को दिशा देती है। उन्होंने कुलाधिपति डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी और कुलगुरु डॉ. विजय सिंह, रजिस्ट्रार डॉ सीतेश कुमार सिन्हा , डीन मानविकी एवं उदार कला डॉ टीना तिवारी, और वर्कशॉप के मेंटर डॉ. रितेश रंजन के सहयोग हेतु विशेष आभार प्रकट किया। कार्यक्रम के अंत में स्कोप ग्लोबल स्किल्स विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ विजय सिंह एवं डॉ. रितेश रंजन ने प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

प्रदेश में लगेंगे किसान मेले, कृषि उपकरणों और खेती के लिए मिलेगा मार्गदर्शन: सीएम

मंदसौर में 3 मई को लगेगा कृषि मेला, आधुनिक कृषि तकनीक से संबंधित मार्गदर्शन दिया जाएगा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के सभी संभागों में इस वर्ष किसान मेले आयोजित होंगे जिसमें किसानों को कृषि, खाद्य प्र-संस्करण, उद्यानिकी और पशुपालन से संबंधित विभिन्न कार्य पद्धतियों और नए अनुसंधान की जानकारी दी जाएगी। किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक से संबंधित मार्गदर्शन दिया जाएगा। कृषि कार्यों से जुड़े आधुनिक उपकरणों को प्रदर्शित भी किया जाएगा। आगामी 3 मई को मंदसौर में किसान मेले का आयोजन जा रहा है। संभाग स्तरीय किसान मेलों के बाद अक्टूबर माह में एक वृहद राज्य स्तरीय किसान मेला भी आयोजित होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में भारतीय किसान संघ के प्रतिनिधियों से चर्चा कर रहे थे। इस अवसर भारतीय किसान संघ ने प्रदेश में किसानों को 5 रुपए के शुल्क पर विद्युत कनेक्शन और फसलों पर बोनस राशि प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रति आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के अन्नदाता को ऊर्जादाता बनाने के उद्देश्य से प्रदेश में एक वर्ष में दस लाख सौर ऊर्जा पम्प प्रदान करने का लक्ष्य है। यह कार्य अभियान के रूप में चलेगा। एक हॉर्स पॉवर से दस हॉर्स पॉवर तक सोलर पम्प स्थापना के लिए किसान को राशि जमा करवाकर निर्धारित अवधि में कनेक्शन दिए जाएंगे। प्रदेश में किसान खुद बिजली बनाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मजरों टोलों के निवासी जनजातीय वर्ग के लोगों को इस कार्य में प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। बैठक में अपर मुख्य सचिव नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मनु श्रीवास्तव ने बताया कि प्रदेश में गत तीन दिन में सोलर पम्प स्थापना के लिए लगभग 17 हजार आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि कृषक प्रतिनिधियों के सुझावों पर राज्य सरकार अमल करेगी। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने बैठक में उपस्थित अधिकारियों को प्रदेश में गठित एफपीओ (किसान उत्पादक संगठन) को सक्रिय करने,किसानों द्वारा नरवाई जलाने को निरूत्साहित करने और रासायनिक खाद के उपयोग को कम करने के संबंध में निर्देश दिए। बैठक में बड़ी परियोजनाओं के लिए किसानों की भूमि लेने पर बदले में भूमि देने के प्रावधान, किसान को हिस्सेदार और मालिक बनाकर उनका हित सुनिश्चित करने, दूध पर बोनस, कम पानी से सिंचाई से मक्का उत्पादन को प्रोत्साहित करने, गौशालाओं के अंतर्गत आधुनिक तकनीक से संचालन, उच्च शिक्षा में कृषि विषय के अध्ययन और जिलों में पर्याप्त पशु चिकित्सकों की व्यवस्था के संबंध में चर्चा हुई।

किसान संघ के प्रतिनिधि मंडल ने की भेंट

बैठक में भारतीय किसान संघ के अखिल भारतीय उपाध्यक्ष राम भरोस वासोतिया, क्षेत्र संगठन मंत्री महेष चौधरी, अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख राघवेंद्र सिंह पटेल, प्रदेश अध्यक्ष कमल सिंह आंजना, रमेश दांगी प्रांत महामंत्री, मनीष शर्मा प्रांत संगठन मंत्री, गिरिजा देवी ठाकुर, सर्वज्ञ दीवान प्रांत अध्यक्ष, राजेन्द्र पालीवाल, प्रहलाद पटैल, शिवनंदन रघुवंषी आदि शामिल थे। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव नगरीय विकास एवं आवास श्री संजय कुमार शुक्ला, कृषि सचिव श्री एम सेलवेंद्रन एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

ये रखे सुझाव

1. किसान की सलाह व सहमति के बिना विकास परियोजना के लिये भू अधिग्रहण न किया जाये।
2. अधिग्रहित भूमि पर विकसित होने वाली परियोजना की समय सीमा तय की जाये।
3. तय सीमा में परियोजना पूर्ण न होने पर भूमि किसान को वापिस की जाये या वर्तमान बाजार मूल्य से मुआवजा दिया जाये।
4. नगरीय व ग्रामीण क्षेत्र में भूमि मालिक को विकसित भूमि का 60 प्रतिशत हिस्सा दिया जाये।
5. यदि 5 एकड़ से कम जोत वाले छोटे किसान की लेंड पुलिंग एक्ट में पूरी जमीन अधिग्रहीत किये जाने पर परियोजना पूर्ण होने तक किसान को जमीन का किराया दिया जाये।
6. जनजातीय क्षेत्रों में विकास परियोजनाओ के लिये भू अधिग्रहण करते समय वहां की सांस्कृतिक, सामाजिक परंपराओं और धरोहरें प्रभावित न हो। इसका ध्यान रखा जाये।
7. शासन के मानक अनुसार लेंड पुलिंग एक्ट योजना में पूर्ण विकसित भूमि व्यवसायिक व आवासीय में 60 प्रतिशत जमीन भूमि स्वामी व 40 प्रतिशत अन्य डेवलपर को दी जाये।
8. विकास परियोजना के लिये भू अधिग्रहण के दौरान किसान को बाजार मूल्य का 4 गुना मुआवजा दिया जाये।
9. भूमि अधिग्रहण से प्रभावित किसान के परिवार के एक सदस्य को शैक्षणिक योग्यतानुसार परियोजना में नौकरी दी जाये।
10. किसी व्यवसायिक परियोजना में भू अधिग्रहण किये जाने पर परियोजना से प्राप्त कुल लाभांश का 20 प्रतिशत भू स्वामियों में बांटा जाये।
11. किसानों की जमीन अधिग्रहित कर उद्योगों को न दिया जाये।

अन्नदाता को ऊर्जादाता बनाने का अभियान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के अन्नदाता को ऊर्जादाता बनाने के उद्देश्य से प्रदेश में एक वर्ष में दस लाख सौर ऊर्जा पम्प प्रदान करने का लक्ष्य है। यह कार्य अभियान के रूप में चलेगा। एक हॉर्स पॉवर से दस हॉर्स पॉवर तक सोलर पम्प स्थापना के लिए किसान को राशि जमा करवाकर निर्धारित अवधि में कनेक्शन दिए जाएंगे। प्रदेश में किसान खुद बिजली बनाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मजरों टोलों के निवासी जनजातीय वर्ग के लोगों को इस कार्य में प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। बैठक में अपर मुख्य सचिव नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा श्री मनु श्रीवास्तव ने बताया कि प्रदेश में गत तीन दिन में सोलर पम्प स्थापना के लिए लगभग 17 हजार आवेदन प्राप्त हो चुके हैं।

सुझावों पर करेंगे अमल

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि कृषक प्रतिनिधियों के सुझावों पर राज्य सरकार अमल करेगी। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने बैठक में उपस्थित अधिकारियों को प्रदेश में गठित एफपीओ (किसान उत्पादक संगठन) को सक्रिय करने,किसानों द्वारा नरवाई जलाने को निरूत्साहित करने और रासायनिक खाद के उपयोग को कम करने के संबंध में निर्देश दिए। बैठक में बड़ी परियोजनाओं के लिए किसानों की भूमि लेने पर बदले में भूमि देने के प्रावधान, किसान को हिस्सेदार और मालिक बनाकर उनका हित सुनिश्चित करने, दूध पर बोनस, कम पानी से सिंचाई से मक्का उत्पादन को प्रोत्साहित करने, गौशालाओं के अंतर्गत आधुनिक तकनीक से संचालन, उच्च शिक्षा में कृषि विषय के अध्ययन और जिलों में पर्याप्त पशु चिकित्सकों की व्यवस्था के संबंध में चर्चा हुई।

अगले 5 साल में दुग्ध उत्पादन 2 करोड़ लीटर प्रतिदिन करने का लक्ष्य

मंत्रि-परिषद की बैठक में कई प्रस्तावों को मिली मंजूरी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के इतिहास में पहली बार केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मुख्य आतिथ्य में 13 अप्रैल को राज्य सरकार तथा नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड (एनडीडीबी) के मध्य सहकारिता अनुबंध हुआ। इससे प्रदेश के पशुपालकों को सीधा लाभ होगा। पशुपालकों द्वारा उत्पादित दूध एवं इससे जुड़े अन्य उत्पाद अब सीधे एनडीडीबी के माध्यम से खरीदे जायेंगे। इससे प्रदेश के पशुपालकों की माली हालत तेजी से सुधरेगी और वे आत्मनिर्भर हो सकेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को मंत्रालय में मंत्रि-परिषद् की बैठक के पहले मंत्रीगण को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री शाह ने प्रदेश में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। प्रदेश के कुल दुग्ध उत्पादन की तुलना में दुग्ध संकलन बड़े पैमाने पर बढ़ाया जाये। साथ ही प्रदेश के शेष्ज्ञ आधे ग्रामों से दूध का संकलन करने की कार्रवाई में भी गति लायें। दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा 5 रुपए प्रति लीटर बोनस के रूप में प्रोत्साहन राशि देने सहित डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना का प्रचार-प्रसार एवं मप्र के दूध की प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक मार्केटिंग एंव ब्रांडिंग भी की जाये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एनडीबीबी द्वारा प्रदेश में दुग्ध उत्पादन क्षेत्र में उत्तरोत्तर प्रगति के लिए कॉम्प्रिहेंसिव प्लान म.प्र. सरकार के साथ मिलकर तैयार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पशुपालन एवं डेयरी विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री लखन पटेल को केन्द्रीय मंत्री से मिले निर्देशों में नये लक्ष्य शामिल कर NDDD के साथ हुये अनुबंध में आवश्यक संशोधन करने के लिये भी कहा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि प्रदेश में अगले 5 साल में 2 करोड़ लीटर प्रतिदिन दुग्ध उत्पादन क्षमता का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ें। इस दिशा में एनडीडीबी से भी मार्गदर्शन लें। उन्होंने कहा कि अभी प्रदेश के दुग्ध संघों द्वारा मात्र 10 लाख लीटर प्रतिदिन दुग्ध संकलन किया जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में दूध उत्पादन और संकलन में तेजी से वृद्धि करने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी द्वारा 10 अप्रैल को प्रदेश को 10 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के भूमि-पूजन एवं लोकार्पण कर सौगात दी गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस सौगात के लिए केन्द्रीय मंत्री श्री गडकरी का आभार जताया। उन्होंने बताया कि केन्द्रीय मंत्री श्री गडकरी द्वारा 2330 करोड रुपए के कार्यों का भूमि-पूजन तथा 3502 करोड रुपए के कार्यों का लोकार्पण किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश को मिली इस सौगात के लिए मंत्रि-परिषद के सदस्यों को भी बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने बताया कि केन्द्रीय मंत्री श्री गडकरी द्वारा ह॥ढ्ढ के माध्यम से मध्यप्रदेश में अगले 2 साल में राष्ट्रीय राजमार्गों का जाल बिछाने की घोषणा की गई है।

सम्राट विक्रमादित्य के सम्मान में अब महानाट्य मंचन की पहल

गौरवशाली इतिहास से युवा वर्ग को परिचित करवाने का सशक्त माध्यम बना, महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर विक्रम संवत जिनके नाम पर प्रारंभ हुआ, ऐसे कल्याणकारी शासक रहे सम्राट विक्रमादित्य के सम्मान में कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। इसमें विक्रम विश्वविद्यालय का नामकरण, सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय करने का निर्णय भी शामिल है। इसके पूर्व वार्षिक विक्रम उत्सव की शुरुआत कर राज्य सरकार ने सम्राट विक्रमादित्य को यथोचित सम्मान देने का कदम उठाया था। इस क्रम में हाल ही में सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य का मंचन एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस महा नाट्य के माध्यम से रंगमंच के महत्व से भी पूरे राष्ट्र को अवगत करवा दिया है।

वैसे तो इस डिजिटल युग में सूचना और मनोरंजन के कई फॉर्मेट लोकप्रिय हो चुके हैं, लेकिन भारतीय नाट्यशास्त्र की सुदृढ़ और समृद्ध परंपरा से जन-जन को विशेष रूप से युवा वर्ग परिचित करवाने के लिए नई दिल्ली में सम्राट विक्रमादित्य नाटक का निरंतर तीन दिन मंचन होना महत्व रखता है। बहुत दिन नहीं हुए जब हम डिजिटल तकनीक को आत्मसात कर बैठे थे। ऐसा लगता था कि पारंपरिक कलाओं को हम भूल रहे हैं। लेकिन मध्यप्रदेश से जो संदेश पूरे राष्ट्र में पहुंचा है वह यह है कि अभिनय, प्रकाश संयोजन, संगीत, वेशभूषा और विशाल मंच के माध्यम से हमारे पौराणिक चरित्रों का जीवन सामने आना चाहिए। हमारे वे आदर्श शासक और आराध्य जो युवा पीढ़ी द्वारा भुला दिए गए हैं या युवा पीढ़ी को हमने उनसे परिचित ही नहीं करवाया तो इसमें कसूर वर्तमान पीढ़ी का भी है। युवाओं के पास समय भी है। सृजन की शक्ति भी है, जिज्ञासा का तत्व भी विद्यमान है तो फिर उन्हें इन राष्ट्र के आदर्श प्रतीकों की जानकारी से वंचित क्यों रखा जाए और बच्चे भी कलाओं के प्रति रुचि रखते हैं, वे भी इस विधा के लिए जिज्ञासु हो सकते हैं। यदि उन्हें महान व्यक्तित्वों के बारे में ज्ञानवर्धक विवरण देने वाले नाटक मंचन से जोड़ा जाए। भोपाल में कुछ वर्ष पूर्व लाल परेड मैदान पर जाणता राजा का मंचन हुआ था, जिसमें शिवाजी महाराज के कृतित्व को दर्शाया गया था। इस नाटक के मंचन से यह जागृति प्रारंभ हो जाती लेकिन वह लहर न बन सकी। एकाध मंचन हुआ और मामला समाप्त हो गया। देश की राजधानी में लाल किले पर तीन दिन लगातार सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य का मंचन मध्यप्रदेश के लिए गर्व की बात है। यह मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का नवाचार है। हमारे ऐसी दानवीर शासक जिन्होंने वीरता और न्याय के क्षेत्र में भी दृष्टांत स्थापित किए, वे पाठ्य-पुस्तकों में तो आ गए हैं लेकिन पाठ्य-पुस्तकों से बाहर मंच तक क्यों न पहुंचें। आखिर युवा पीढ़ी को उनकी विस्तार पूर्वक जानकारी क्यों नहीं दी जाना चाहिए? यह नवाचार आगे जाएगा अन्य राज्यों में भी न केवल सम्राट विक्रमादित्य के कार्यों की जानकारी, नागरिकों को मिलेगी बल्कि भगवान श्रीराम, भगवान श्रीकृष्ण, राजा भोज, सम्राट अशोक और स्वतंत्रता सेनानियों सहितभारत के गौरव रहे अन्य महापुरुषों के कृतित्व की गाथा बताने वाली नाट्य प्रस्तुतियां होंगी। दिल्ली में हुए नाट्य मंचन सफल रहे हैं। हाथी, घोड़ों के उपयोग और बीसियों की संख्या में कलाकार दल के साथ इतिहास के उस दौर को जीवंत करना साधारण कार्य नहीं है। संस्कृति विभाग, विक्रमादित्य पीठ, सामाजिक संगठन और सांस्कृतिक संगठन इसके लिए एकजुट हुए। दिल्ली की मुख्यमंत्री ने इन कार्यक्रमों के लिए जो समन्वय किया उसकी भी मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रशंसा की है।

उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता के लिए सरकार प्रतिबद्ध: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

ग्वालियर क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए मंत्रालय में हुई उच्च स्तरीय बैठक

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में ग्वालियर क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण योजना की वृहद समीक्षा की उन्होंने विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में जल संसाधन मंत्री एवं ग्वालियर जिले के प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण तथा उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह और ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने जय आरोग्य अस्पताल, ग्वालियर में सीटीवीएस (कार्डियोथोरेसिक एंड वैस्कुलर सर्जरी) विभाग के आवश्यक पदों की स्वीकृति का प्रस्ताव तैयार करने और अस्पताल भवन के उन्नयन एवं सुदृढ़ीकरण कार्यों को शीघ्रता एवं प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के हर क्षेत्र में उच्च स्तरीय चिकित्सकीय सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। बैठक में ग्वालियर क्षेत्र के अन्य स्वास्थ्य संस्थानों के अधोसंरचना विकास, मैनपावर, उपकरण उपलब्धता की विस्तारपूर्वक समीक्षा कर आवश्यक व्यवस्थाओं के उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश सरकार समस्त अंचलों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा लक्ष्य है कि नागरिकों को उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं के लिए बाहर न जाना पड़े। इसके लिए आवश्यक अधोसंरचना विकास, आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता और चिकित्सकीय स्टाफ की पर्याप्त नियुक्ति सुनिश्चित की जा रही है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने सिंहस्थ-2028 के दृष्टिगत सांवेर विधानसभा क्षेत्र के स्वास्थ्य संस्थानों के उन्नयन के लिए तत्काल आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा संदीप यादव, आयुक्त तरुण राठी, तथा संचालक नीरज कुमार सिंह उपस्थित रहे।

श्रमिकों का कल्याण प्रशासनिक नहीं नैतिक उत्तरदायित्व: श्रम मंत्री पटेल

श्रम कल्याण मंडल संचालक मण्डल की 62वीं बैठक हुई

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

श्रम मंत्री एवं श्रम कल्याण मंडल अध्यक्ष प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि मंडल की बैठकों में श्रम कल्याण के विषय पर विस्तारसे चर्चा की जाना चाहिये। उन्होंने कहा कि आगामी बैठक में श्रम कल्याण योजनाएं एवं श्रम कानूनों में आने वाली व्यावहारिक समस्याओं के बारे में बोर्ड में चर्चा की जाए। उन्होंने कहा कि संबल योजना के प्रभावी क्रियान्वयन की विसंगतियों को दूर करें। मंत्री पटेल मंगलवार को पलाश रेसीडेंसी में मध्यप्रदेश श्रम कल्याण मण्डल के संचालक मण्डल की 62वीं बैठक को संबोधित कर रहे थे। श्रम कल्याण से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में प्रमुख सचिव उमाकांत उमराव, अपर सचिव श्री बसंत कुर्रे, कल्याण आयुक्त एस.एस.दीक्षित सहित मंडल के सदस्य, विभागीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। मंत्री पटेल ने कहा कि श्रमिकों का कल्याण केवल प्रशासनिक दायित्व नहीं, नैतिक उत्तरदायित्व भी है। हमारी सरकार हर श्रमिक के सम्मान, अधिकार और भविष्य की रक्षा के लिए संकल्पबद्ध है। उन्होंने कहा कि 80 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले शत-प्रतिशत श्रमिकों को सर्वप्रथम इलेक्ट्रिक वाहन का वितरण किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने

कहा कि नवीन श्रम कल्याण केंद्रों की डिजाइन भविष्य की आवश्यकताओं के अनुसार तैयार की जाए। बैठक में प्रमुख सचिव, श्रम श्री उमराव ने जानकारी दी कि शासन की ओर से मंडल को अंशदान राशि 2 करोड़ से बढ़ाकर वित्तीय वर्ष 2025-26 में 12 करोड़ की गई है। बैठक में मण्डल की 61वीं बैठक में लिये गये निर्णयों पर कार्यालय ?द्वारा की गई कार्रवाई की पुष्टि की गई एवं मण्डल के वित्तीय बजट वर्ष 2025-26, मण्डल के वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष 2023-24 पर कार्योत्तर अनुमोदन प्रदान किया गया। मण्डल कर्मचारियों की सेवाशर्तों विनियम में अनुकंपा नियुक्ति का प्रावधान किये जाने, म.प्र. श्रम कल्याण निधि अधिनियम, 1982 की धारा 2 (3) (ख) को संशोधित करने, मण्डल के नियमित कर्मचारियों को 7वें वेतनमान के एरियर्स के व्यय भार की स्वीकृति प्रदान की गई, श्रम कल्याण केन्द्र, बुरहानपुर भवन, बुरहानपुर के मरम्मत के लिए व्यय राशि पर कार्योत्तर अनुमोदन प्रदान किया गया।

किसानों से राजस्व वसूली टारगेट अधूरा, ईएनसी नाराज,11 मुख्य अभियंताओं को नोटिस

भोपाल। जलसंसाधन विभाग के 11 मुख्य अभियंता किसानों से बकाया राजस्व की लक्ष्य के अनुरुप वसूली नहीं कर पाए है। इसको लेकर प्रमुख अभियंता विनोद देवड़ा ने नाराजगी जाहिर की है। सभी को नोटिस थमाया गया है। वसूली में पिछड़ने के लिए दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रस्तावित करने और उनकी गोपनीय चरित्रावली में भी इसका उल्लेख करने को कहा गया है। जलसंसाधन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी किसानों को सिचाई के लिए दिए जा रहे पानी का राजस्व समय पर वसूल नहीं कर रहे है। इससे विभाग की राजस्व वसूली प्रभावित हो रही है और विभाग और विकास कार्य नहीं कर पा रहा है। जलसंसाधन विभाग के चंबल बेतवा कछार, भोपाल, गंगा कछार रीवा, नर्मदा ताप्ती कछार इंदौर, यमुना कछार ग्वालियर, जलसंसाधन विभाग नर्मदापुरम, बैनगंगा कछार सिवनी, जल संसाधन विभाग उज्जैन, राजघाट नगर परियोजना दतिया, धसान केन कछार सागर, , एमकेपीएमयू राजगढ़, एसएसव्ही एमयू इंदौर के मुख्य अभियंताओं को किसानों से राजस्व वसूली लक्ष्य के अनुरुप न किए जाने को लेकर प्रमुख अभियंता ने नोटिस जारी किया है। सभी को कहा गया है कि मार्च माह में लक्ष्य के अनुरुप वसूली न करने वाले संबंधित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व का लक्ष्य व प्राप्ति का विवरण तैयार कर तीन दिन में विभागाध्यक्ष कार्यालय को देने को कहा गया था लेकिन आज तक यह नहीं दिया गया है।राजस्व वसूली में बरती जा रही उदासीनता के विषय में शासन द्वारा घोर अप्रसन्नता व्यक्त की गई है। सभी से अनुविभागवार सिचाई राजस्व का लक्ष्य और प्राप्ति का विवरण फिर तीन दिन में मांगा गया है। लक्ष्य के अनुरुप वसूली न होंने पर शासन के निर्देशानुसार संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध उनकी गोपनीय चरित्रावली में उल्लेख करने और अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रस्तावित करने को कहा गया है।

संपादकीय

बंगाल की हिंसा, क्या वोट बैंक की खातिर इन दंगाइयों को खुली छूट मिली?

हमारा संदेह है कि पश्चिम बंगाल में इतना हिंसक, दंगानुमा, आगजनी, रेलवे ट्रैक को बाधित करने और खून-खराबे वाला माहौल क्यों है? देश के अन्य राज्यों में ऐसी हिंसा क्यों नहीं है? क्या बंगाल में दंगाइयों और उपद्रवियों को सत्ता का संरक्षण रहा है? क्या वोट बैंक की खातिर इन दंगाइयों को खुली छूट मिली हुई है? हिंदू पिता-पुत्र की चाकू से गोद कर हत्या कैसे कर दी गई? उपद्रवियों और एक खास जमात के दंगाइयों ने घरों, दुकानों, मंदिरों पर हमले करने का दुस्साहस कहां से हासिल किया? रेलगाडियां रोक दी गईं, क्योंकि पटरियों पर हजारों की भीड़ बैठी थी। ऐसे हालात के मद्देनजर कलकत्ता उच्च न्यायालय को कहना पड़ा कि अदालत आंखें मूंद कर नहीं बैठ सकती। उच्च न्यायालय को मुर्शिदाबाद के हिंसाग्रस्त इलाकों में केंद्रीय बल की तैनाती का आदेश देना पड़ा। बीएसएफ के 300 जवानों के अलावा केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की 5 कंपनियां भी तैनात की गई हैं। यह नौबत ही क्यों आई? राज्यपाल सीवी आनंद बोस को कठोर बयान देने पड़े कि सार्वजनिक संपत्ति को नष्ट करने और किसी की जिंदगी को खतरे में डालने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। दरअसल ऐसे उग्र, नफरती, हिंसक हालात और माहौल का बुनियादी सबब क्या है? वक्फ संशोधन कानून एक मुखौटा कारण हो सकता है, लेकिन जो मुस्लिम नेता, सांसद, मौलाना आदि सरेआम औसत मुसलमानों को भडका-सुलगा रहे हैं, क्या उनके 'कुत्ते', 'हरामखोर', 'गद्दार' वाले बयान किसी कानून के दायरे में नहीं आते? क्या ये गालियां भी 'अभिव्यक्ति की आजादी' हैं? कानून-व्यवस्था राज्य का विषय है, लिहाजा अमन-चैन बरकरार रखना मुख्यमंत्री और राज्य पुलिस का संवैधानिक दायित्व है।

संविधान में केंद्र और राज्य की भूमिकाओं की स्पष्ट व्याख्या है। समवर्ती सूची का कानून केंद्र और राज्य दोनों ही बना सकते हैं। यदि ऐसे किसी कानून पर केंद्र बनाम राज्य की टकरावपूर्ण स्थिति पैदा होती है, तो संविधान के अनुच्छेद 254 के तहत केंद्र का बनाया कानून ही मान्य होगा। राज्य सरकार उसे खारिज नहीं कर सकती। मुख्यमंत्री ने बंगाल में केंद्र की 'आयुष्मान भारत' योजना भी लागू नहीं होने दी है। संविधान का अनुच्छेद 245 बताता है कि संसद पूरे भारत अथवा उसके किसी भाग के लिए कानून बना सकती है।

मुर्शिदाबाद हिंसा: भारत मां की आत्मा को झकझोरती घटना

राकेश शर्मा

मुझे तो अब लगने लगा है की भारतीय समाज अब मरणासन्न होकर सिर्फ़ साँसे ले रहा है, जो सनातन वासुदेव कुटुम्बकम के सिद्धांत पर बना है वही सनातन हिंदू बहुल देश में हिंदुओं पर लगातार हो रहे हमलों, हिंसा, आगजनी, पत्थरबाज़ी, पलायन पर सुप्तावस्था में क्यों दिखाई दे रहा है।

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में वक़्फ़ बिल के विरोध में फैली हिंसा अब 24 परगना तक फैल चुकी है। हिंसा वक़्फ़ बिल के ख़िलाफ़ है तो हिंदुओं को क्यों मारा जा रहा है, उनके घर दुकान क्यूँ जलाए जा रहे हैं, घर के पुरुषों को बचाने के लिए महिलाओं की आबरू लूटने की बात कौन कर रहा है, कौन हिंदुओं के घर लूट रहा है, दुधमुँहे बच्चों के साथ वृद्ध, नौजवान, बच्चे क्यूँ अपना घर छोड़ पैदल ही पलायन कर रहे हैं। इनका जवाब आज भारत माँग रहा है।

बंगाल की मुख्यमंत्री जो वहाँ की गृह मंत्री हैं वह इन जेहादी , अराजक तत्वों के ख़िलाफ़ सख़्त कार्यवाही करने के बजाय हिसंक तत्वों से अनुरोध कर रहीं है की प्लीज़ हिंसा मत करों। तुष्टिकरण के नशे में चूर ममता इन उग्रवादी जेहादी तत्वों का नाम लेने से भी बच रही हैं, कह रही हैं की एबीसीडीईएफजीएचआईजेके जो भी इसमें शामिल हैं प्लीज़ आंदोलन करो हिंसा मत करो। एक महिला मुख्यमंत्री का कितना निर्लज्जता पूर्ण बयान हैं। कठोरतम कार्यवाही की जगह इतनी बड़ी घटना के बाद सिर्फ अनुरोध कर रही है । पुलिस के हाथ बांधे हुए हैं, इस घटना के बावजूद उग्रवादियों पर पाओं में भी गोली चलाने का आदेश नहीं दिया । भला हो कोलकाता उच्च न्यायालय का जिसने स्वयं संज्ञान लेते हुए केंद्रीय सुरक्षा बलों का आव्हान कर कुछ हद तक इस हिंसा पर नियंत्रण किया है।

यह मामूली घटना नहीं है इसके बहुत गहरे मायने हैं। सबसे पहले तो इंडी गठबंधन के सभी घटक दलों को देखिए , जिन्होंने तुष्टिकरण की खातिर अभी तक इस घटना की निंदा

नहीं की है। यह सभी दल भाजपा के किसी राज्य में इससे भी कमतर घटना पर वहाँ भागभाग कर जाकर घी में आग डालते हैं, मणिपुर भागते हैं, संभल भागते हैं लेकिन घर से बेघर हुए मुर्शिदाबाद के हिंदुओं के लिए एक शब्द भी इनके मुंह से अभी तक नहीं निकला ।वहाँ जाने की तो बात ही छोड़िये क्यूंकि ऐसा करने पर मुसलमान और ममता दोनों नाराज़ हो जाएँगे।

इंडी गठबंधन के घटक जो हर वक्त संविधान की कॉपी जेब में लेकर घूमते हैं लेकिन अब जब इन्ही के लोग सरेआम संविधान की धज्जियां उड़ा रहें हैं तब यह कुछ नहीं बोल रहे। ममता ने कह दिया कि बंगाल में संशोधित वक़्फ़ बिल लागू नहीं होगा, कांग्रेस ने भी कह दिया कांग्रेस शासित राज्यों में भी लागू नहीं होगा। दिन रात संविधान का रोना रोने वाले क्या यह भी नहीं जानते की केंद्रीय कानून पूरे देश में लागू होता है कोई राज्य अपनी मर्जी से इसे लागू नहीं करने का निर्णय नहीं कर सकता। केंद्र यदि चाहे तो ऐसे राज्यों पर कार्यवाही कर सकता है।

दूसरी बात योगी आदित्य नाथ ने जो कही यहाँ सही दिखाई पढ़ रहीं है की सौ हिंदुओं के बीच एक मुसलमान सुरक्षित महसूस करता है लेकिन सो मुसलमानों के बीच पचास हिंदू सुरक्षित महसूस नहीं करते। मुर्शिदाबाद जहाँ मुस्लिम आबादी 60 प्रतिशत है इसका ताजा उदाहरण है।

विपक्ष से तो इस मामले में कोई उम्मीद नहीं कर सकते , सिर्फ़ भाजपा के लोग ही इन पलायनकर्ताओं से मिलने पहुँचे हैं परंतु हमारे देश का अधिकतर मीडिया भी इतनी बढ़ी घटना पर मौन साधे हुए है। आज सुबह बहुत से अख़बारों में ढूँढने पर भी इस बारे में कोई ख़बर नहीं मिली।

यदि भारतीयों की आत्मा सोई नहीं होती तो इतनी हत्याओं और पलायन के बाद 140 करोड़ जनता ने ममता की नाक में दम कर दिया होता और उन्हें देश हित में इस स्थिति से निपटने को मजबूर कर देना चाहिए था।

यदि हमारे दिल संवेदनशील होते और हमारे अपने के साथ ऐसा कुछ हुआ होता तो क्या तब भी हम मूकदर्शक बने होते, मानों ना मानों यह गजवाये हिन्द की झलक भर हैं , हमें इससे भी विकट परिस्थितियों के लिए तैयार रहना होगा । हमने 1990 के कश्मीर से हिंदुओं के पलायन से कोई सबक नहीं सीखा और नतीजा सामने है।

कहा जा रहा इसमें पीएफआई , एसडीपीआई, मुस्लिम संगठनों और टीएमसी

का हाथ है। एसडीपीआई ने तो घर घर जाकर वक़्फ़ के विरोध में पर्चे बांटे, पीएफआई पर बैन के बाद भी कि भी पीएफआई कार्यकर्ता की गिरफ़्तारी ममता ने नहीं की और कहा जा रहा है वही सब इस हिंसा में शामिल हैं। कहा जा सकता है बंगाल की राज्य सरकार इसके लिए जिम्मेवार है।

भारत सरकार को चाहिए कि इन सभी उकसाने वाले लोगो के ख़िलाफ़ तुरंत कार्यवाही करे वरना स्थिति काबू से बाहर करवाने के लिए इंडी गठबंधन के दल, मुस्लिम संस्थाएं वक़्फ़ को लेकर देश में आग लगाने को तैयार बैठी हैं। कांग्रेस के इमरान मसूद कह रहें हैं की हम सत्ता में आये तो इस बिल को निरस्त कर देंगे, झारखंड के एक मंत्री कह रहें हैं की हमारे लिए शरिया पहले हैं और संविधान बाद में, देश में गृह युद्ध की बात कर रहे है, देश के हर राज्य में शाहीन बाग बनने की बात कर रहे हैं।

क्या चाहते हैं ये लोग । क्या वक़्फ़ के नाम पर भूमाफियाओं की दुकान चलने दी जाये, गरीब मुसलमानों का भला ना किया जाए। मुझे मालूम है की जो भड़का रहे है वह सभी आजतक वक़्फ़ के ठेकेदार बन अरबों रुपया हज़म कर रहे थे । इस ग़लत कमाई पर रोक लग रही है तो तकलीफ़ हो रही है । सरकार को इन तत्वों का समय रहते इलाज करना चाहिए।

अराजकता में डूबे बंगाल में न उम्मीदी का अंधेरा

ललित गर्ग

बंगाल में वक्फ कानून को लेकर हिंसा का सिलसिला जिस तरह तेज और सांप्रदायिक होता जा रहा है, जिस तरह से हिन्दुओं को निशाना बनाया जा रहा है, उन्हें मुर्शिदाबाद से पलायन को विवश किया जा रहा है, वह मुस्लिम तुष्टीकरण और दुष्प्रचार की खतरनाक राजनीति का प्रतिफल तो है ही, वह कुशासन एवं अराजकता की भी चरम पराकाष्ठा भी है। नए वक्फ कानून को लेकर कुछ राजनीतिक दल मुस्लिम समाज को विशेषतः किशोर बच्चों को हिंसा एवं तो?फोड के लिये जानबूझकर सड़कों पर उतारने में लगे हुए हैं। वे उन्हें अराजकता एवं उन्माद के लिए उकसा भी रहे हैं और तरह-तरह से प्रोत्साहन दे रहे हैं। अराजकता फैलाने वाले किस तरह बेखौफ हैं, इसकी पुष्टि इससे होती है कि वे सरकारी-गैरसरकारी वाहनों को तो?ने, जलाने के साथ पुलिस पर भी हमले कर रहे हैं। बंगाल के विभिन्न जिलों में वक्फ कानून के विरोध के बहाने फैलाई जा रही अराजकता इसलिए भी थमने का नाम नहीं ले रही हैं, क्योंकि खुद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस कानून के खिलाफ खड़ी होकर राजनीतिक रोटियां सेंकने का काम कर रही हैं। पश्चिम बंगाल में हिंसा का बढ़ना, हिन्दुओं में डर पैदा होना, भय का वातावरण बनना, आम जनजीवन का अनहोनी होने की आशंकाओं से घिरा होना चिंताजनक भी है और राष्ट्रीय शर्म का विषय भी है।

यह बंगाल पुलिस के नाकारापन एवं ममता सरकार के मुस्लिम तुष्टिकरण का ही दुष्परिणाम है कि मुर्शिदाबाद के साथ ही अन्य शहरों में भी वक्फ कानून के विरोध की आड़ में हिंसा, तोड़फोड, आगजनी हो रही है। खतरनाक यह है कि इस दौरान हिंदुओं को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि कलकत्ता उच्च न्यायालय ने वक्फ कानून विरोधियों की अराजकता से उपजे हालात का संज्ञान लिया। मामला सुप्रीम कोर्ट भी पहुंच गया है। इससे शर्मनाक एवं दर्दनाक और कुछ नहीं हो सकता कि मुर्शिदाबाद में 11 अप्रैल को हुई हिंसा के बाद करीब 500 हिंदू पलायन कर गए हैं। हिंदू परिवारों का आरोप है कि हिंसा के दौरान उनको चुन-चुनकर निशाना बनाया गया। उनके पीने के पानी में जहर तक मिला दिया गया है। इस हिंसा की जांच एजेंसियों ने पोल खोल दी है, यह हिंसा पूरी प्लानिंग के तहत की गई थी, जिसमें तुर्की से फंडिंग और स्थानीय मदरसों की मिलीभगत सामने आई है। हमलावरों को ट्रेनिंग दी गई और इनाम की व्यवस्था भी की गई थी। ममता बनर्जी एवं उनकी सरकार देश में एकमात्र ऐसी सत्तारु? पार्टी एवं नेता बन गई है जिसका देश के संविधान, न्यायपालिका एवं

लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भरोसा नहीं रह गया है।

वक्फ कानून का विरोध करने सड़क पर उतरे तत्वों के दुस्साहस का पता इससे चलता है कि वे सीमा सुरक्षा बल के जवानों को भी निशाना बनाने से नहीं हिचक रहे हैं। उनके इसी दुस्साहस के चलते मुर्शिदाबाद के हिंदुओं ने खुद को असहाय पाया। बंगाल में कानून के शासन ने सुनियोजित हिंसा के दुष्चक्र के समक्ष एक बार फिर समर्पण कर दिया। बंगाल में इसके पहले भी ऐसा हो चुका है। मई 2021 में विधानसभा चुनावों के बाद वहां तृणमूल समर्थक तत्वों ने अपने राजनीतिक विरोधियों को इतना आतंकित किया था कि वे जान बचाने के लिए असम में शरण लेने को मजबूर हुए थे। तब भी वहां पुलिस मूकदर्शक बनी हुई थी। ताजा हिंसक हालातों में राज्य सरकार और उसके नेता यह झूठ देश के गले में उतारने में लगे हुए हैं कि बंगाल में स्थितियां नियंत्रण में हैं। यह कैसा नियंत्रण है? यह कैसी शासन-व्यवस्था है? यह कैसा दोगलापन है? जिसमें एक समुदाय खुलेआम दूसरे समुदाय को निशाना बना रहा है। खुलेआम सार्वजनिक मंचों पर राष्ट्र-विरोधी विचारों का जहर घोला जा रहा है।

वक्फ कानून में संशोधन का विरोध विडम्बनापूर्ण होने के साथ देश में अराजकता फैलाने का माध्यम बना हुआ है। वक्फ कानून में संशोधन के तहत किसी मस्जिद, मदरसे आदि को लेकर किसी भी तरह के नुकसान, कब्जा करने या दखल की बात नहीं कही गयी है। इसके विरोधी चाहे जो तर्क दें, इससे कोई इंकार नहीं कर सकता कि वक्फ बोर्ड भ्रष्टाचार का अड्डा बने हुए थे और सरकारी-निजी जमीनों पर मनमाने तरीके से दावा कर दिया करते थे। उनकी इस मनमानी का शिकार अनेक मुस्लिम भी थे। क्या वक्फ कानून के विरोधी यह बताने की स्थिति में हैं कि वक्फ बोर्डों ने अभी तक कितने गरीब मुसलमानों की सहायता की? यह पहली बार नहीं है, जब किसी कानून के खिलाफ स?कों पर उतरकर उपद्रव, हिंसा, आगजनी की जा रही हो। इसके पहले नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ भी ऐसा ही किया गया था। तब यह झूठ फैलाया जा रहा था कि इस कानून के जरिये मुसलमानों की नागरिकता छीन ली जाएगी। अब यह झूठ फैलाया जा रहा है कि नए वक्फ कानून के जरिये सरकार मस्जिदों और कब्रिस्तानों पर कब्जा करना चाहती है। यह निरा झूठ और शरारत ही है। वक्फ कानून के विरोधी भले ही लोकतंत्र और संविधान की दुहाई दे रहे हों, लेकिन ये उसकी धज्जियां ही उड़ा रहे हैं। वे वक्फ कानून पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले की प्रतीक्षा करने के लिए तैयार नहीं।

मुर्शिदाबाद हिंसा के जरिए पूरे बंगाल में हिंसा फैलाने का प्लान तुर्की में बनाया गया था, इसके जरिए बंगाल के हालात भी ठीक बांग्लादेश की तरह करने की कोशिश थी। हिंसा को लेकर बाकायदा एक लिस्ट तैयार की गई थी कि कौन कहां नुकसान करेगा और लूटपाट मचाएगा। इसके साथ ही इनाम देने को लेकर योजनाएं बनाई गयी। हिंसा के दौरान इस बात का खास ध्यान देने का अलर्ट किया गया कि रेल और नॉर्मल ट्रांसपोर्ट न चल पाए। मौका मिलने पर हिंदुओं की हत्या करना भी टारगेट था। कुछ हिन्दुओं को मारा भी गया है। हिंदुओं के घरों के साथ मंदिरों पर हमले किए गए, घर जलाए गए, आजीविका नष्ट की गई, बलात्कार की धमकियां दी गयी, उससे यही स्पष्ट हो रहा है कि नए वक्फ कानून का विरोध करने वाले न केवल सांप्रदायिक घृणा में डूबे हैं, अराजकता एवं उन्माद पर सवार है, आतंकी माहौल बनाकर हिन्दुओं को भयभीय-आतंकित करना चाहते है। क्योंकि उन्हें यह भरोसा है कि ममता बनर्जी की सरकार और उनकी पुलिस उनके खिलाफ कुछ नहीं करने वाली। ज्यादा चिन्ताजनक तो यह है कि अराजक लोग चाहते हैं पलायन करने के लिए मजबूर लोग फिर कभी अपने घरों को न लौट पाएं। इन जटिल एवं अनियंत्रित होते अराजक हालातों में शांति, सौहार्द एवं सामान्य हालातों को निर्मित करने के लिये आवश्यक है कि केंद्र सरकार बंगाल में हस्तक्षेप करने के लिए आगे आए, बल्कि यह भी अपेक्षित है कि सुप्रीम कोर्ट वहां के हालात का स्वतः संज्ञान ले। उसे वक्फ कानून विरोधी हिंसक तत्वों के उपद्रव के लिए ममता सरकार को जवाबदेह बनाना ही होगा।

ममता वोट बैंक की राजनीति के लिये कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था की धज्जियां बार-बार उड़ाती रही है। ममता ने देश की एकता-अखंडता और सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को नजरअंदाज किया है, कानून से खिलवा? जितना पश्चिमी बंगाल में हुआ है उतना शायद ही देश के किसी दूसरे राज्यों में हुआ हो। ममता अपने बलबूते चुनाव जीतने का माद्दा रखती है तो फिर हिंसा का सहारा क्यों लेती है? अराजकता फैलाकर अपने ही शासन को क्यों दागदार बनाती है? क्यों अपने प्रांत की जनता को डराती है, भयभीत करती है? क्या ये प्रश्न ममता की राजनीतिक छवि पर दाग नहीं है? ममता एवं तृणमूल कांग्रेस का एकतरफा रवैया हमेशा से समाज को दो वर्गों में बांटता रहा है एवं सामाजिक असंतुलन तथा रोष का कारण रहा है। ताजा हिंसक हालात इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि किसी भी एक वर्ग की अनदेखी कर कोई भी दल राजसत्ता का आनंद नहीं उठा सकता। राज्य में शीर्ष संवैधानिक पद पर रहते हुए भी ममता बनर्जी ने अलोकतांत्रिक, गैर-कानूनी एवं राष्ट्र-विरोधी कार्यों को अंजाम दिया है। बंगाल में तो भ्रष्टाचार और साम्प्रदायिकता के जब? फैलाए, हिंसा की जीभ निकाले, मगरमच्छ सब कुछ निगल रहा है। ममता अपनी जातियों, ग्रुपों और वोट बैंक को मजबूत कर रही हैं-- देश को नहीं

पलायन का संत्रास झेलते बुजुर्ग

राकेश दुबे

जिस केरल की गिनती देश के सबसे शिक्षित राज्यों में होती है, वहाँ आज 94 प्रतिशत साक्षरता वाले राज्य के बुजुर्ग शिक्षित युवाओं के पलायन का संत्रास झेल रहे हैं। राज्य के करीब 21 लाख घरों में युवाओं के पलायन करने के कारण सिर्फ बुजुर्ग बचे हैं। गांव के गांव पलायन का दंश झेलते हुए वीरान हो चुके हैं।

लाखों घरों में सिर्फ ताले लटके नजर आते हैं। दरअसल, समुद्र तट से लगे इस राज्य में खाड़ी के देशों में जाकर सुनहरा भविष्य तलाशने की होड़ लगी रही है। शिक्षा ने जहां प्रगतिशील सोच दी है, वहीं अंतहीन भौतिक लिप्साओं को भी जगाया है। यह होड़ हाल के वर्षों में पंजाब-हरियाणा में भी नजर आ रही है। वैसे तो यह हमारे नीति-नियंताओं की नाकामी का भी परिणाम है कि हम युवाओं को उनकी योग्यता-आकांक्षाओं के अनुरूप रोजगार देश में नहीं दे पाए। उन्हें न अपनी जन्मभूमि का सम्मोहन रोकता है और न ही यह फिक्र कि उनके जाने के बाद बुजुर्ग माता-पिता का क्या होगा?

एकाकीपन का त्रास झेलते केरल के इन गांवों में बुजुर्गों के पास पैसा तो है मगर समाधान नहीं है। सामाजिक सुरक्षा की वह छांव कहां, जिसमें बुजुर्ग खुद को सुरक्षित महसूस कर सकें। केरल के कई गांवों में लोग एक दिन हर बुजुर्ग का हाल पूछते हैं कि क्या वे सुरक्षित हैं। वे चर्च व पंचायतों में बैठकें करते हैं ताकि एक-दूसरे के हाल-चाल जान सकें। निश्चय ही ऐसे वैकल्पिक प्रयासों से सामाजिक सुरक्षा को संबल मिलेगा।

बताते हैं कि मार्च माह के अंत में बुजुर्गों के इस एकाकीपन के संकट को महसूस करते हुए केरल सरकार ने एक वरिष्ठ नागरिक आयोग बनाने की घोषणा की है। यह वक्त बताएगा कि लाल-फीताशाही व घुन लगी व्यवस्था में ये आयोग कब तक कारगर भूमिका निभाना शुरू करेगा। लेकिन फिर भी जिस राज्य में हर पांचवें घर से एक व्यक्ति विदेश चला गया है, वहां ऐसा आयोग एक सीमा तक तो सहायक ही हो सकता है। देखना होगा कि सरकारी अधिकारी कितनी संवेदनशीलता से बुजुर्गों की समस्याओं का समाधान करते हैं।

सरकार का दावा है कि यह आयोग एकाकीपन का त्रास झेल रहे बुजुर्गों के अधिकार, कल्याण और पुनर्वास के लिये काम करेगा। निस्संदेह, बुजुर्गों की आवश्यकताएं सीमित होती हैं। लेकिन उनका मनोबल बढ़ाने की जरूरत है। सबसे ज्यादा जरूरी उनकी स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं दूर करना है। बेहतर चिकित्सा सेवा व घर-घर उपचार की सहज उपलब्धता समस्या का समाधान दे सकती है। लेकिन देखना यह होगा कि भ्रष्टाचार के घुन से खोखली होती व्यवस्था में वरिष्ठ नागरिक आयोग ऐसे संकट का कारगर समाधान उपलब्ध कराने में किस हद तक सफल हो पाता है। वैसे अकेले रह रहे बुजुर्गों को भी इस दिशा में पहल करनी होगी। सामाजिक सक्रियता इसमें सहायक बनेगी।

नीति-नियंताओं को सोचना होगा कि अगले दशकों में युवा भारत बुजुर्गों का भारत बनने वाला है। वर्ष 2050 तक भारत में साठ साल से अधिक उम्र के 34.7 करोड़ बुजुर्ग होंगे। क्या इस चुनौती से निपटने को हम तैयार हैं?

अतीत और हम, खुशी और गम

सरयूसुत मिश्रा

लाल किले पर मध्य प्रदेश सरकार ने इतिहास रच दिया है. सम्राट विक्रमादित्य के सुशासन, न्याय, वीरता, दानशीलता को ऐतिहासिक महानाट्य के जरिए जीवंत कर दिया। समापन अवसर पर एमपी के सीएम डॉ. मोहन यादव कहते हैं कि, विक्रमादित्य महानाट्य बताता है, दुनिया में सबसे पहले लोकतंत्र कहां था..!!

सम्राट विक्रमादित्य, देश की गौरव गाथा हैं. महानाट्य के माध्यम से उनकी गौरव गाथा को उस स्थान पर जीवंत किया गया, जो भारत की स्वतंत्रता का प्रतीक बना। इसमें कोई दो राय नहीं है कि अतीत के प्रेरक प्रसंग से भविष्य गढ़ने की ताकत और ऊर्जा मिलती है।

इसका मतलब है कि, इतिहास की सार्थकता तभी है, जब उससे भविष्य गढ़ा जाए। गढ़ने का मतलब वर्तमान से है। कोई भी निर्माण न अतीत में और न ही भविष्य में हो सकता है। निर्माण की क्षमता तो वर्तमान में ही है। वर्तमान में कर्म का जो भी महाकाव्य का रचा जा रहा है, वही इतिहास में महानाट्य बनेगा।

सम्राट विक्रमादित्य जब वर्तमान रहे होंगे तब उनके सुशासन, न्यायप्रियता और दानशीलता लोगों ने अनुभव की होगी। महानाट्य इतिहास के शास्त्रों पर आधारित होता है। मन और विचार भले ही अतीत और भविष्य में विचरण करते रहें लेकिन आंखें तो वर्तमान ही देखती हैं। आंखों देखा, सच ही सच होता है। अनुभूति से बड़ा सच कुछ भी नहीं होता।

सम्राट विक्रमादित्य का सुशासन इतिहास की वैचारिक खुशी तो दे सकता है लेकिन वर्तमान का सुशासन तभी खुशी देगा, जब वह न्यायपूर्ण, समतापूर्ण होगा। मानव मस्तिष्क की यह विशेषता है कि, वह फिल्म और नाटक के पात्र और अभिनय से भी जुड़ जाता है। उनकी भावनाओं से अपने को जोड़ लेता है। जबकि वह जानता है कि यह मात्र अभिनय है, वास्तविकता से उसका कोई संबंध नहीं है।

मध्य प्रदेश सरकार के महानाट्य के मंचन की परंपरा काफी सराही जा रही है। पीएम नरेंद्र मोदी ने भी इसकी सराहना की है। एमपी के वर्तमान मुख्यमंत्री सम्राट विक्रमादित्य के उज्जैनी से ही आते हैं। उज्जैन में सम्राट विक्रमादित्य के गुणों पर केन्द्रित सिंहासन बत्तीसी स्थापित है।

यह सभी कहानियां विक्रमादित्य के किसी एक गुण या पहलू को प्रदर्शित करती हैं। विक्रमादित्य की न्याय प्रियता, सत्यवादिता, दूरदर्शिता और प्रजावत्सलता जैसे गुणों की वर्तमान में सबसे अधिक जरूरत है। सिंहासन बत्तीसी भारतीय संस्कृति में एक महत्वपूर्ण स्थान रखती है। सम्राट विक्रमादित्य पर बहुत साहित्य रचे गए हैं। उनकी लोक कथाएं प्रेरणा देती हैं। इसीलिए वर्तमान को भी इन प्रेरक प्रसंगों के परिपेक्ष्य में देखना जरूरी होता है।

सुशासन की बातें वर्तमान में भी शासक और शासन करते हैं। शासक और शासन के सुशासन के इश्तिहार नागरिकों की अनुभूति से कभी-कभी ही मेल खातें हैं। कोई ऐसा दिन नहीं जाता, जब लॉ एण्ड आर्डर को लेकर घटनाएं नहीं घटती हों? कानून का राज स्थापित करने में पुलिस प्रशासन की महती भूमिका है।

पुलिस पर हो रहे हमले आज चिंता का कारण बने हुए हैं। कोई भी त्यौहार शांति से निकलना मुश्किल ही होता है। राज्य के किसी न किसी कोने में पत्थरबाजी की खबरें अब आम है। मध्य प्रदेश तो फर्जी डॉक्टर की खदान मानी जाती है। दमोह में पकड़े गए फर्जी डॉक्टर का मामला अभी चल ही रहा है। एक भी मरीज की फर्जी डॉक्टर द्वारा जान ले ली जाए यह तो सुशासन का उदाहरण नहीं हो सकता है।

न्यायप्रियता, सुशासन का सबसे बड़ा लक्षण होता है। वर्तमान समय में सुशासन से न्यायप्रियता की अपेक्षा वही कर

सकता है, जो उसके साथ प्रियता रखता है। प्रियता के कई माध्यम हो सकते हैं। आजकल तो ले-देकर काम निकालने की नीति सबसे ज्यादा कारगर बनी हुई है। सिस्टम में उगाही संस्थागत रूप ले चुकी है।

मध्य प्रदेश में परिवहन विभाग में करप्ट प्रैक्टिसेस एक पूर्व आरक्षक के निवास पर जांच एजेंसी के छापे के बाद सार्वजनिक चर्चा का विषय बना। करोड़ों रुपए जब्त किए गए। पचास किलो से अधिक सोना पकड़ा गया।

इसे कैसा सुशासन कहा जाएगा कि, करप्ट प्रेक्टिसेस वर्षों से चल रही थी और चर्चा में वह तभी आया जब एजेंसियों ने कार्रवाई की। इसका मतलब है कि, या तो सुशासन का पूरा सिस्टम इग्नोरेंट था या मिला जुला काम चल रहा था। छापों के बाद भी न्याय की कार्यवाई में जिस तरह के नजारे दिखाई पड़े हैं, वह भी सुशासन की पोल खोलने के लिए पर्याप्त कहे जा सकते हैं।

कोई भी शासन एक व्यक्ति नहीं चलाता एक पूरा सिस्टम होता है। मंत्री होते हैं, सेक्रेट्री होते हैं। सम्राट के शासन में भी होते हैं और लोकतंत्र के शासन में भी। सम्राट के शासन में तो मंत्री का पद पी?ी दर पी?ी चलता था। वर्तमान शासन व्यवस्था में तो मंत्री और सचिव कितने समय तक रहेगा इसकी कोई सीमा निर्धारित नहीं है।

पूरे समय ट्रांसफर की चर्चा होती है। ट्रांसफर लिस्ट निकलती है। कुछ उसमें शामिल होते हैं और फिर अगली लिस्ट की चर्चा चालू हो जाती है। सिस्टम में काम अफसर करते हैं लेकिन ट्रांसफर का ऐसा दौर चलता रहता है कि, कोई भी अफसर साल दो साल एक पद पर मुश्किल से ही रह पाता है। इसीलिए शायद प्रशासनिक सुधार में यह बात सामने आई कि, पुलिस प्रमुख और प्रशासन के प्रमुख का सेवाकाल न्यूनतम दो वर्ष होना चाहिए।

लोकतंत्र में दूरदर्शिता की बहुत ज्यादा गुंजाइश नहीं है। कार्यकाल पांच साल की सीमा में बंधा होता है। लक्ष्य केवल यही होता है कि फिर से कैसे चुनाव जीता जाए। वर्तमान में सुशासन चुनाव जीतने की भूमिका का सर्वोत्तम उपयोग ही कहा जा सकता है। सरकार पर कर्जों के हालात काबू से बाहर हो रहे हैं। फिर भी मुक्तखोरी की योजनाएं और खातों में नगद भुगतान चुनावी सुशासन का ही उदाहरण है।

विरासत से विकास सुनने में बहुत अच्छा लगता है लेकिन विकास केवल वर्तमान में है। विरासत अतीत है। अतीत प्रेरणा के लिए है, लेकिन विकास वर्तमान कर्मों का महाकाव्य होता है। यही महाकाव्य इतिहास का महानाट्य बनता है।

लोकतंत्र में तो सरकार बदलते, यहां तक की एक ही पार्टी की सरकार होने के बाद भी मुख्यमंत्री बदलने के बाद सुशासन के तरीके और योजनाओं के नाम भी बदल दिए जाते हैं। जहां बदलाव की इतनी गति हो, जहां बदले की संस्कृति हो, जहां निजी लाभ-हानि शासन की सद्गति हो, वहां वर्तमान ही जीवंत होता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail—com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakashÐin

पोषण पखवाड़े के तहत आयोजित की जा रही हैं विभिन्न गतिविधियां

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)। देश में चल रहे सातवां पोषण पखवाडा के अंतर्गत रायसेन जिले में भी कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा के निर्देशन में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में जिला रायसेन की परियोजना उदयपुरा में पोषण पखवाडा के तहत 15 अप्रैल 2025 के दौरान सभी केंद्रो में बच्चों और महिलाओं की उपस्थिति में मंगलदिवस का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं। मंगल दिवस के आयोजन के दौरान केंद्रो पर अन्नप्राशन दिवस मनाया गया, जिसमें 6 माह पूर्ण कर चुके बच्चों का अन्नप्राशन कराया गया एवं 06 माह से 12 माह तक के बच्चो को पोषण के रूप में दिए जाने वाले आहार के बारे में माताओं को जानकारी दी गई जिससे उनके बच्चों को भविष्य में बेहतर स्वास्थ्य मिल सके। इन गतिविधियों का उद्देश्य लोगों को पोषण के महत्व के बारे में जागरूक करना और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

द्वितीय चरण के पुस्तक मेले का शुभारंभ, 20 तक चलेगा पुस्तक मेला

दमोह। महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दमोह में द्वितीय चरण का पुस्तक मेला मंगलवार से प्रारंभ हुआ। प्रथम चरण के पुस्तक मेले में जो अभिभावक मेले में नहीं पहुंच पाए अथवा उस समय तक जो पुस्तकें अभिभावकों को प्राप्त नहीं हुई उनकी आवश्यकताओं को देखते हुए जिला प्रशासन एवं स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से द्वितीय चरण के पुस्तक मेले का आयोजन किया गया है यह मेल 6 दिवसीय होगा जो 20 अप्रैल तक संचालित रहेगा। दमोह शहर ही नहीं आसपास के ग्रामीण एवं समीपवर्ती अन्य जिलों के लोग भी पुस्तक मेले में आकर स्टेशनरी गणवेश एवं अन्य सामग्री की खरीदी कर रहे है।

आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों को मेन्यू अनुसार भोजन नही मिलने की ग्रामीणों ने की शिकायत

सांध्य प्रकाश बैतूल। ग्राम कोदारोटी के आंगन बाड़ी केंद्र में मध्यान भोजन वितरण में गड़बड़ी को लेकर ग्रामीणों ने सरपंच के साथ मिलकर महिला बाल विकास परियोजना अधिकारी से शिकायत की है। शिकायत करने वालों में राम प्रसाद यादव, मुकेश सोनी, श्रीराम यादव, रामा, मोहित,जानकी, शिवरती, संजू, कविता,सूरज लाल रामू और संतराम शामिल हैं। ग्रामीणों ने बताया कि कोदारोटी आंगनबाड़ी केंद्र में शारदा स्व सहायता समूह द्वारा बच्चों को मध्यान भोजन दिया जा रहा है। लेकिन यह भोजन शासन द्वारा निर्धारित प्रति दिवस के मेन्यू अनुसार वितरित नहीं किया जा रहा है। इस कारण से आंगन बाड़ी में आने वाले बालक-बालिकाओं को पोषण आहार का सही लाभ नहीं मिल पा रहा है। शिकायतकर्ताओं ने मांग की है। कि शारदा स्व सहायता समूह की अध्यक्ष और सचिव को स्पष्ट निर्देश दिए जाएं।बच्चों को प्रतिदिन निर्धारित मेन्यू के अनुसार ही भोजन उपलब्ध कराया जाए। यदि इसके बाद भी सुधार नहीं होता है तो समूह को तत्काल प्रभाव से बदलकर कोई नया समूह नियुक्त किया जाए।

विधायक ने 25 मंदिरों की समितियों को सामान खरीदी के लिए 2.50 लाख स्वीकृत

आष्टा। आष्टा विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने अपनी जनसंपर्क निधि वर्ष 2024-2025 में से अपनी आष्टा विधानसभा क्षेत्र के करीब 25 मंदिरों की समितियों, भजन मंडलियों को ढोलक, पेटी, मंजीरा, घंटी, घंटाल आदि वाद्य यंत्र खरीदने हेतु करीब 2 लाख 50 हजार की राशि स्वीकृत की है। उक्त सभी मंदिरों की भजन मंडलियों,समितियों को वाद्य यंत्र खरीदने हेतु दस-दस हजार की राशि (कुल 2 लाख 50 हजार) स्वीकृत की गई है। ग्रामीण क्षेत्रो के दौरे के दौरान मंदिर की समितियां,भजन मंडलियों द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर विधायक गोपालसिंह इंजीनियर से अपने अपने ग्रामो के मंदिरों,ग्रामो की भजन मंडलियों के लिये भगवान की भक्ति हेतु वाद्य यंत्रों के लिये राशि की मांग की थी । ग्रामीण जन भजनों के माध्यम से भगवान की पूजा,भक्ति,आराधना श्रद्धा, भक्ति से करे इस हेतु क्षेत्र के करीब 25 मन्दिरो को विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने अपनी जनसंपर्क निधि से करीब 2 लाख 50 हजार की राशि स्वीकृत की है।

जल स्त्रोतों के संरक्षण और संवर्धन की गतिविधियों में गति लाएं : कलेक्टर

योगेश गुप्ता बैतूल। जनसह भागिता से जल स्त्रोतों के संरक्षण और संवर्धन की गतिविधियों में गति लाएं। अमृत सरोवर, खेत तालाब, सोखपीट इत्यादि जल संरचनाओं के निर्माण में प्रगति लाएं और उन्हें समय पर पूरा करें। ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व की जल संरचनाओं, बावड़ियों की सघन साफ-सफाई और मरम्मत कराएं। यह निर्देश कलेक्टर सूर्यवंशी ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित समयसीमा की बैठक में समस्त सीएमओ, जनपद सीईओ और अन्य संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने जल गंगा संवर्धन अभियान की विस्तृत समीक्षा कर कहा कि सभी एसडीएम अपने क्षेत्र की जल संरचनाओं की मैपिंग कराएं। साथ की जल संरचनाओं पर हुए अतिक्रमण को चिन्हित कर उन्हें तत्काल हटवाएं। उन्होंने शिक्षा विभाग को जल संरचनाओं, जलीय जीवन, जल परम्पराओं पर केंद्रित प्रदर्शनी लगाने के निर्देश दिए। सूर्यवंशी ने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया। कि अपने क्षेत्र में पंचायत के अमले के सहयोग से आधार खसरा लिंकिंग का अभियान चलाएं और शत प्रतिशत आधार खसरा लिंकिंग पूर्ण कराएं। उन्होंने स्वरोजगार मूलक योजनाओं से हर पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने के लिए बैकवार कैंप आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कैंप में ही हितग्राहियों के प्रकरण तैयार करने से लेकर उन्हें स्वीकृत और वितरित कराएं। कैंप के आयोजन के लिए नोडल महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र होंगे।

गेहूं तौल प्रभारी की अनियमिताओं को लेकर अधिकारियों ने लगाई क्लास

ककैया खरीदी प्रभारी की अनियमिताओं को लेकर दी गई चेतावनी

मण्डला। मध्य प्रदेश में राज्य सरकार किसानों के गेहूं उपार्जन खरीदी को लेकर एक ओर जहां प्रतिबद्ध हे वही आए दिन उपार्जन केंद्रों में खरीदी प्रभारियों की अनियमिताओं को लेकर शिकवा शिकायत होती रहती हैं।अक्सर देखा जाता हे कि उपार्जन केंद्रों में सरकारी नियमों के विपरीत खरीदी प्रभारी किसानों से अधिक माल की तुलाई ली जाती हैं। और सरकारी नियम को ठेंगा दिखाते हुए अधिक गेहूं का तौल लिया जाता हैं। इस स्थिति में भोला भाला किसान आखिर कहां जाए और अपनी बात किससे रखें और किसके सामने रखें यही सब सोच कर शांत रह जाता हे। और सरकारी नियम के विपरीत अधिक गेहूं की तौल देने को मजबूर हो जाता हे।ऐसी ही शिकायतों को लेकर जिला कलेक्टर सोमेश मिश्रा जी ने सभी विभागों और विभागीय अधिकारियों को

आदेशित किया हे कि आप सभी समय समय औचक निरीक्षण कर जिलों के सभी उपार्जन केंद्रों में अपनी उपस्थिती दर्ज करवाएं और किसानों की समस्यायों से रूबरू होकर जमीनी स्तर पर किसानों की समस्याओं का समाधान करें।

जिसको लेकर दिन मंगलवार को जिला प्रबंधक वेयर हाउसिंग अधिकारी श्री हेमंत वर्मा जी डीएमओ मार्कफीड श्री रामस्वरूप तिवारी जी ओर नागरिक आपूर्ति निगम विभाग से श्री छोटेलाल पांडे जी ने औचक निरीक्षण करते हुए सिलगी ओर ककैया उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण किया और उपार्जन केंद्रों में किसानों की समस्याओं को जाना साथ ही किसानों से रूबरू होकर किसानों से बात कर किसानों को तौल से अधिक गेहूं न देने की समझाइश दी। गेहूं खरीदी के समय औचक निरीक्षण के दौरान समस्त अधिकारियों के द्वारा उपार्जन केंद्र ककैया में तौल कांटे पर गेहूं की पहले से तौल कर भरी कुछ बोरियों का फिर से तौल करवाया गया जिसमें कुछ एक बोरियां में अनियमितताएं पाई गई जिस बात को लेकर उपार्जन केंद्र ककैया खरीदी प्रभारी संजय दीक्षित (संजू महराज) को किसानों से सरकार द्वारा 50 किलो 580 ग्राम से अधिक तौल न करने की समझाइश देते हुए फटकार लगाई।साथ ही समझाइश देते हुए कहा कि यदि किसानों के द्वारा किसी प्रकार की शिकायत दोबारा मिलती हे या तौल से अधिक गेहूं खरीदी की जाती हे तो आगामी कार्यवाही को लेकर तैयार रहना।साथ ही समझाइश देते हुए सख्त निर्देश भी दिया गया की गेहूं चमक विहीन मिट्टी युक्त न हो।

इनका कहना है

जिला कलेक्टर के आदेशानुसार जिले में हमारे द्वारा निरंतर उपार्जन केंद्रों का दौरा कर तौल से संबंधित समस्याओं को लेकर निरीक्षण किया जा रहा है।

हेमंत वर्मा
डीएम वेयर हाउसिंग बोर्ड जिला मंडला

अवैध कैथ लैब का संचालन करने पर मिशन अस्पताल प्रबंधन समिति पर एफआईआर दर्ज

दमोह। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के पत्र में मिशन अस्पताल संचालक एवं प्रबंधन मंडल के द्वारा मिशन अस्पताल कैथ लैव के पंजीयन कराने में धोखाधडी कर दस्तावेजों पर डॉक्टर अखिलेश दुबे के कूट रचना कर हस्ताक्षर बनाकर, आनलाईन रजिस्ट्रेशन कर, मिशन अस्पताल दमोह कैथ लैव का रजिस्ट्रेशन प्राप्त कर, कैथ लैव संचालित करना संचालन के दौरान कुछ मरीजों की एंजियोप्लास्टी के बाद मृत्यु हो जाना पाया गया है। उक्त आवेदन पत्र पर थाना कोतवाली दमोह में अपराध क्रमांक 245/25 धारा 318(4), 336(2), 340(2),105, 3(5) बीएनएस, मध्यप्रदेश उपचारगृह एवं रुजोपचार अधिनियम (रजिस्ट्रीकरण तथा अनुज्ञापन) अधिनियम 1973 व नियम 1997 संशोधित नियम 2021 की धारा 12 का अपराध आरोपी अशीम न्यूटन पिता रजनीश मोरिस न्यूटन पता सेन्ट्रल इंडिया क्रिश्चियन मिशन, मारुताल दमोह, फ्रेंक हैरीशन पिता स्व एच इम्यूनल पता सेन्ट्रल इंडिया क्रिश्चियन मिशन, मारुताल दमोह, इंदू लाल, पता बेथलेहम केम्पस जबलपुर रोड दमोह, जीवन मैसी पिता जोशफ मैसी पता वैशाली नगर आमचौपरा दमोह, रोशन प्रसाद पिता राजेश प्रसाद पता क्रिश्चियन कालोनी, सिविल वार्ड नं.दमोह,कदीर यूसुफ पिता उमर फारुक पता हाउसिंग बोर्ड सिविल वार्ड नं.दमोह, अजय लाल पिता विजय लाल पता बेथलेहम केम्पस जबलपुर रोड दमोह. संजीव लेम्बर्ड पता दमोह, विजय लैम्बार्ड पता दमोह के विरुद्ध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

विदित है कि पिछले दिनों मिशन अस्पताल में भर्ती मरीज के परिजन ने कथित कॉर्डियोलॉजिस्ट डॉक्टर द्वारा किए गए इलाज पर शंका होने पर शिकायत की जो स्थानीय स्तर से राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग तक पहुंची थी जिसके बाद सात मरीजों की संदिग्ध मौतें और डॉक्टर पर संदेह हुआ जो गायब हो चुका था,जिसे पुलिस ने प्रयागराज से गिरफ्तार किया था और न्यायालय में पेश करने के बाद पुलिस रिमांड में लिया जिसके द्वारा कई खुलासे हुए इस बीच जिला अस्पताल और प्रशासन ने मिशन अस्पताल पहुंच कर कैथ लैब सील किया था और अब विसंगति पाए जाने पर प्रबंधन पर प्राथमिकी दर्ज की गई।

जिलास्तरीय जनसुनवाई में प्राप्त हुए 111 आवेदन

सिवनी। प्रत्येक मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित होने वाली जिलास्तरीय जनसुनवाई कलेक्टर सुश्री संस?कृति जैन की अध्यक्षता में आयोजित? हुई। जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नवजीवन विजय, अपर कलेक्टर सुश्री सुनीता खण्डायत सहित सभी विभाग प्रमुखों की उपस्थिति रही।

जिलास्तरीय जनसुनवाई में तहसील सिवनी अंतर्गत ग्राम लखनवाडा निवासी करन सिंह ठाकुर द्वारा पैतृक भूमि के अभिलेखों में नाम को सुधार कर पूर्वत किये जाने विषयक, रानी दुर्गावती वार्ड सिवनी निवासी संजय अग्रवाल द्वारा कृषि उपज मंडी परिसर में बिजली एवं पानी की सुविधा कराये जाने विषयक, ग्राम कन?हान पिपरिया निवासी जगतराम बंदेवार द्वारा वृद्धा पेंशन का लाभ दिलाये जाने विषयक, तहसील बरघाट अंतर्गत ग्राम सेलुआकला निवासी कमलेश कुशराम द्वारा पानी की व?यवस?था कराये जाने विषयक, तहसील घंसौर अंतर्गत पटरी मोहल?ला निवासी रातरानी द्वारा पीने के पानी हेतु बोर की सफाई कराये जाने विषयक, तहसील लखनादौन अंतर्गत ग्राम मुंडा निवासी रामचरण डेहरिया द्वारा पट्टा निरस?त कराये जाने विषयक, तहसील छपारा अंतर्गत ग्राम भीमगढ निवासी रितिक जरगे द्वारा भाई की मृत?यु उपरांत सहायता राशि दिलाये जाने विषयक, तहसील केवलारी अंतर्गत ग्राम खैरी निवासी कचरोबाई द्वारा उनकी जमीन पर हुये अवैध कब्जे को हटाये जाने विषयक, ग्राम सुकरी थाना लखनवाडा निवासी राजेन?द्र सनोडिया एवं अन्य द्वारा सुकरी से कमकासुर सडक को डामरीकरण कराये जाने विषयक, ग्राम कंडीपार निवासी ओझेलाल परते द्वारा उनकी भूमि पर फर्जी नाम चढाकर मकान निर्माण किये जाने विषयक, ग्राम केकडा छपारा निवासी जनकलाल झारिया द्वारा कपिलधारा कूप निर्माण की राशि दिलाये जाने एवं कूप निर्माण कार्य कराये जाने विषयक, ग्राम पीपरडाही सिवनी निवासी प्रेमा बाई द्वारा गरीबी रेखा का राशन कार्ड बनाये जाने विषयक, ग्राम बिछुआ केवलारी निवासी जियनलाल कतिया द्वारा कपिलधारा योजना अंतर्गत कुआ निर्माण की अनु?मति दिलाये जाने विषयक, ग्राम बम?हनी बरघाट निवासी हेमंत अमूले द्वारा पीएम आवास में आधार नंबर सुधार कराये जाने विषयक, ग्राम उमरिया सिवनी निवासी ध्रुव कुमार धुर्वे द्वारा रिकार्ड दुरूस?त किये जाने विषयक, ग्राम गरठिया थाना बंडोल निवासी नीमचंद उइके द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाये जाने विषयक, ग्राम सिंघाडी गोपालगंज निवासी रमेश सराठे द्वारा फसल क्षति मुआवजा राशि दिलाये जाने विषयक, ग्राम छिंदा केवलारी निवासी स्वामी आनंद सागर द्वारा आर्थिक सहायता दिलाये जाने विषयक, तहसील धनौरा अंतर्गत ग्राम गाडाघाट निवासी लक्ष्मी बाई विश?वकर्मा द्वारा संबंल योजना के तहत अनुग्रह सहायता राशि दिलाये जाने विषयक सहित कुल 111 आवेदन प्राप्त हुए। निराकरण करने के निर्देश कलेक्टर संस्कृति जैन ने संबंधित विभागाधिकारियों को दिए।

विधायक के आश्वासन पर हरि अग्रवाल ने तोड़ा अनशन अतिक्रमण हटाने के नाम पर किसी व्यापारी को नहीं किया जाएगा परेशानः ललिता यादव

छतरपुर। बस स्टैंड स्थित महोबा रोड में अतिक्रमण के नाम पर व्यापारियों की दुकानों में तोड?ोड़ करने एवं उनका सामान जप्त करने की नगर पालिका द्वारा की गयी कार्रवाई के विरोध में समाजसेवी हरि अग्रवाल आमरण अनशन में बैठ गये। उनके समर्थन में बस स्टैंड क्षेत्र के व्यापारियों ने अपने-अपने प्रतिष्ठान भी बंद कर दिये। जब यह जानकारी भोपाल में मौजूद सदर विधायक श्रीमती ललिता यादव को मिली तो उन्होंने श्री अग्रवाल से बातचीत कर भरोसा दिलाया कि वे अभी बाहर हैं जैसे ही वे छतरपुर आयेंगी तो सभी व्यापारियों के साथ बैठक करेगी। हमारा इरादा किसी व्यापारी को परेशान करना नहीं है बल्कि शहर स्वच्छ एवं सुंदर रहे इसी मंशा में अतिक्रमण हटाया जा रहा है। विधायक के इस आश्वासन पर श्री अग्रवाल ने अपना आमरण अनशन समाप्त कर दिया। ज्ञात हो कि नगर पालिका द्वारा बस स्टैंड क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है, इसी तारतम्य में आज बस स्टैंड के पास महोबा रोड पर स्थित दुकानों का अतिक्रमण भेदभाव तरीके से हटाया गया। दुकानदारों का सामान जप्त किया गया तथा उनके टीनशेड जेसीबी मशीन से तोड़ दिये गये।

जनता से सीधा रिश्ता, शिक्षा से गहरा नाता,आईएएस सोमेश मिश्रा की दास्तां कुछ अलग है

भोपाल। हर दौर में कुछ लोग ऐसे होते हैं, जो अपनी पहचान किसी पद या ओहदे से नहीं, अपने काम से बनाते हैं। आईएएस सोमेश मिश्रा भी ऐसे ही अधिकारी हैं, जिन्होंने अपने व्यवहार, काम और सोच से यह साबित किया है कि आईएएस अधिकारी सिर्फ कुर्सी पर बैठकर फैसले लेने वाले नहीं होते, बल्कि वह जनता के सेवक होते हैं। आईएएस सोमेश मिश्रा उत्तर प्रदेश के बलिया जिले से ताल्लुक रखते हैं। सामान्य ब्राह्मण परिवार में जन्मे सोमेश के पिता का सपना था कि उनका बेटा देश की सेवा करे। घर में शिक्षा का माहौल था और पिता की प्रेरणा ने सोमेश के भीतर कुछ बड़ा करने की भावना भर दी। छोटे शहर की सीमाओं में रहकर भी उनके सपनों की उड़ान कभी छोटी नहीं हुई।

शिक्षा के प्रति जुनून, जो बना सफलता की नींव

सोमेश ने अपनी स्कूली शिक्षा गांव से ही पूरी की। फिर बीए किया। इसी बीच ठान लिया कि उन्हें सिविल सेवा में जाना है। यह फैसला आसान नहीं था, पर उन्होंने हार नहीं मानी। कई बार असफलता मिली, मगर हर बार और मजबूत होकर खड़े हुए। आखिरकार साल 2013 में वे भारतीय प्रशासनिक सेवा में चुने गए।

ईमानदारी, वक्त की पाबंदी और काम के प्रति समर्पण

सोमेश मिश्रा को समय की पाबंदी के लिए जाना जाता है। वे मानते हैं कि अधिकारियों के संगठित प्रयासों से ही किसी समाज में बदलाव लाया जा सकता है। उनका कार्यशैली यह दिखाती है कि वे सिर्फ आदेश नहीं देते, बल्कि जमीन पर उतरकर खुद भागीदारी निभाते हैं। स्कूल, अस्पताल, आंगनबाड़ी हर जगह उनका नियमित निरीक्षण यह बताता है कि वे सिस्टम को चलाते नहीं, बल्कि जीते हैं।

साहब से मिलना अब आसान

देशभर में अफसरों से आम लोगों की दूरी अक्सर चर्चा का विषय रहती है, पर सोमेश मिश्रा ने इस दूरी को खत्म कर दिया है। बतौर कलेक्टर उन्होंने अपने ऑफिस के बाहर खास बात लिखवाई। नेमप्लेट पर उनके नाम के साथ मोबाइल नंबर भी लिखा गया है, ताकि जब वे ऑफिस में न हों, तब भी जनता अपनी बात सीधे उन्हें कह सके। यह छोटी सी दिखने वाली पहल, जनता के विश्वास की मिसाल है।

अ से अक्षर अभियान की शुरुआत

मिश्रा ने मंडला में देखा कि कई ग्रामीण महिलाएं और बुजुर्ग ऐसे हैं, जो पढ़ना तो चाहते थे, पर हालातों ने उन्हें शिक्षा से दूर कर दिया। इसके लिए उन्होंने अ से अक्षर अभियान की शुरुआत की। यह अभियान ऐसे लोगों को फिर से पढ़ाई से जोड़ने की कोशिश है, जो पहले कभी स्कूल नहीं जा पाए। खासकर आदिवासी क्षेत्रों की महिलाएं इस अभियान में हिस्सा ले रही हैं। सोमेश मानते हैं कि शिक्षित महिला पूरा परिवार बदल सकती है और जागरूक ग्रामीण समाज समाज का चेहरा बदल सकता है।

पदस्थापना

आईएएस सोमेश मिश्रा ने प्रशासनिक सेवा में अब तक कई अहम जिम्मेदारियां निभाई हैं। 15 अप्रैल 2025 की स्थिति में वे मंडला जिले के कलेक्टर हैं। झाबुआ में कलेक्टर के तौर पर काम कर चुके हैं। वे रतलाम में जिला पंचायत सीईओ रहे हैं। मध्यप्रदेश सरकार के तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग में सीईओ रहे। चिकित्सा शिक्षा विभाग में उप सचिव का दायित्व निभाया। आयुष्मान भारत निरामयम में सीईओ का अतिरिक्त कार्यभार भी संभाला। मंडला जिले के नैनपुर में एसडीएम रह चुके हैं।

चुनागोसाई पंचायत पर भ्रष्टाचार और शासन की राशि का फर्जी भुगतान करने का आरोप, जांच की मांग

सांध्य प्रकाश बैतूल। चुनागोसाई ग्राम पंचायत मे गड़बड़ियों और भ्रष्टाचार के आरोप लगाये जा रहे है। ग्राम के दिनेश यादव ने जनपद पंचायत चिचोली के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को शिकायत करके सचिव सरपंच पर शासन की राशि के दुरुपयोग के आरोप लगाए हैं। बताया है कि पंचायत में फर्जी वेण्डर बनाकर मनमानी से भुगतान किया जा रहा है। पंचायत द्वारा घोड़ाडोंगरी क्षेत्र के वेण्डर के नाम से भुगतान किया गया है। जो सचिव का नजदीक का है। आरोप है कि सचिव अपने रिश्तेदारों को नियमो विरुद्ध भुगतान कर रहा है। डीएससी के नाम पर लगभग पच्चपन सौ रुपए का फर्जी भुगतान किया है। जो जनपद पंचायत ऑपरेटर है नाम से भुगतान दर्शाया है।बल्कि कंप्यूटर , इंटरनेट कैफे के नाम पर लगभग पच्चास हजार राशि का भुगतान करने जा रहे है। बताया जा रहा है। सचिव पंचायत में अधिकांश समय नहीं रहती। फोटो वगैरह सबुत बतौर है। पेंशनधारियों की पेंशन समय पर नही बना है। जिससे ग्रामीणों काफी परेशानी हो रही है। ग्राम गवाझड़प में सोनू भददू के खेत में स्टॉप डेम का निर्माण कराया है। जिसकी जांच करने की मांग करी है। मनरेगा के तहत रामप्रसाद के नाम पर स्वीकृत कुएं निर्माण कार्य पूरा नहीं हुआ है। श्री यादव ने सचिव सरपंच पर लगाये सभी आरोप की निष्पक्ष जांच कर दोषियो पर कार्रवाई की मांग करी है।

कुत्तों की समस्या पर नगर निगम सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर रिव्यू पिटीशन दाखिल करेगा

इंदौर। आवारा कुत्तों की समस्या को लेकर नगर निगम अब सुप्रीम कोर्ट में रिव्यू पिटीशन दाखिल करने जा रहा है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने स्मार्ट सिटी कार्यालय में नगर निगम अधिकारियों के साथ बैठक कर कुत्तों की बढ़ती संख्या और डॉग बाइट की घटनाओं पर चिंता जताई। बैठक में निगम आयुक्त शिवम वर्मा, अपर आयुक्त अभिलाष मिश्रा सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

महापौर ने कुत्तों की नसबंदी अभियान की प्रगति की जानकारी ली और अधिकारियों को इस मुद्दे पर ठोस कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। महापौर ने कहा कि यह समस्या केवल इंदौर तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देशभर के कई शहरों की साझा चुनौती बन चुकी है। सुप्रीम कोर्ट में इससे जुड़े कई मामले लंबित हैं, ऐसे में इंदौर नगर निगम को तथ्यों और आंकड़ों के आधार पर पुनर्विचार याचिका दायर करनी चाहिए। अधिकारियों ने बताया कि अब तक कई कुत्तों की नसबंदी हो चुकी है, लेकिन लगभग 30 हजार कुत्ते अभी बाकी हैं।

महापौर ने साथ ही जनजागरूकता अभियान चलाने और संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इंदौर की जनभागीदारी पूरे देश के लिए मिसाल है और यह पहल अन्य शहरों

के लिए भी एक मॉडल के रूप में काम करेगी।

नए पिल्लों ने निगम के दावों की पोल खोली: नगर निगम भले ही कुत्तों की नसबंदी के दावे करे, पर अधिकांश कॉलोनी और मोहल्लों में कई जगह कुत्तों के पिल्ले जन्मे होने की जनाकारी मिली। इससे यह साबित होता है कि नगर निगम का नसबंदी अभियान पूरी तरह सफल नहीं रहा। इसका एक ही हल है कि कुत्तों को पक?कर शहर से हटाया जाए। लेकिन, फिलहाल इस तरह की कार्रवाई पर रोक लगी है। शहर में जिस तरह कुत्तों के काटने की घटनाएं ब? रही है, कुत्तों के स्थाई हल की जरूरत महसूस की जा रही है।

कांग्रेस भवन मे मनाई गयी अंबेडकर जयंती

शहडोल। जिला कॉंग्रेस भवन शहडोल मे संविधान निर्माता, भारतरत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गयी। कार्यक्रम की शुरुआत सर्वप्रथम डॉक्टर अंबेडकर जी की तस्वीर पर माल्यार्पण करते हुए धूप-दीप प्रज्वलित किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुभाष गुप्ता ने कहा कि,यह दिन केवल एक जयंती नहीं बल्कि सामाजिक न्याय, समानता और संविधान की भावना का उत्सव है। संविधान की रचना में अंबेडकर जी के योगदान के साथ-साथ आजाद भारत की संस्थाओं के निर्माण में भी अंबेडकर जी की शानदार सक्रिय भूमिका रही। सबल और सशक्त भारत के निर्माण में बाबसाहेब हम सबके प्रेरणापुंज हैं। कार्यक्रम मे नगरपालिका अध्यक्ष घनश्याम जयसवाल ने कहा कि, बाबासाहेब ने अपना सारा जीवन भारतीय समाज में व्याप्त जाति व्यवस्था के खिलाफ संघर्ष में बिता दिया।

नाम परिवर्तन सूचना

मै, कोमल प्रजापति, पुत्री श्री प्रताप प्रजापति, निवास ग्राम चिरोलिया रायसेन मध्य प्रदेश 464551, यह सूचित करती हूं कि मैंने अपना नाम कोमल प्रजापति से बदलकर अब कशक प्रजापति रख लिया है। भविष्य मे मुझे कशक प्रजापति के नाम से जाना और पहचाना जाए।यह नाम परिवर्तन मेरे व्यक्तिगत कारणो से किया गया है ।

नाम परिवर्तन सूचना

मै, सुदीप पुत्र श्री रामनारायण खेलना, निवासी- मकान नं. 54 ग्राम कुंवाखेडी पोस्ट मिरज़ापुर जिला विदिशा (म.प्र) 464001, यह सूचित करता हूं कि मैंने अपने नाम में खेलना उपनाम जोड़कर अपना नाम सुदीप खेलना कर लिया है। भविष्य में मुझे सुदीप खेलना के नाम से जाना और पहचाना जाए। यह नाम परिवर्तन मेरे व्यक्तिगत कारणो से किया गया है।

मित्सु केम प्लास्ट का लक्ष्य: 2028 तक 1,000 करोड़ की कमाई!

मुंबई, एजेंसी। मित्सु केम प्लास्ट लिमिटेड (मित्सु) (बीएसई: 540078), जो ब्लो मोल्डेड और इंजेक्शन मोल्डेड उत्पादों के साथ-साथ अस्पताल फर्नीचर के कंपोनेंट्स, इन्फ्रास्ट्रक्चर उत्पाद, पैकेजिंग बोतलें, ड्रम, जरीकेन, पेल और कैप्स जैसे क्षेत्रों में अग्रणी वैश्विक निर्माता है, ने आज अपने 35 वर्षों की उत्कृष्टता, विश्वास और नवाचार का जश्न मनाया। इस खास मौके पर कंपनी ने एक रणनीतिक योजना की घोषणा की है, जिसके तहत वह वित्त वर्ष 2028 तक 1,000 करोड़ की वार्षिक आय का लक्ष्य लेकर चल रही है। यह लक्ष्य कंपनी की एफवाय24 की टॉपलाइन से तीन गुना वृद्धि को दर्शाता है, जिसे अगले चार वर्षों में हासिल करने की योजना है। 1,000 करोड़ राजस्व तक पहुँचना (2028 तक): एफवाय24 के आंकड़ों को तीन गुना बढ़ाने का लक्ष्य रखते हुए, मित्सु 1,000 करोड़ के राजस्व की ओर तेज़ी से बढ़ेगा, जो एक नए युग की शुरुआत करेगा जिसमें बेजोड़ वृद्धि और बाज़ार में नेतृत्व की संभावना होगी। कंपनी अपने प्रसिद्ध फ़र्नास्त्रा ब्रांड के तहत अस्पताल फर्नीचर विभाग का महत्वपूर्ण विस्तार करेगी, जिसमें आधुनिक और डिज़ाइन-आधारित समाधान जोड़े जाएंगे, जो आधुनिक युग की जरूरतों को पूरा करेंगे। कंपनी अपनी पैकेजिंग विभाग में महत्वपूर्ण विस्तार करेगी, जिसमें पैल्स, ब्लो मोल्डेड कंटेनर और विशेषीकृत कैप्स और क्लोज़र का विस्तार किया जाएगा।

बाणगंगा पेपर मिल्स को एमपीसीबी से मिला नवीकृत पर्यावरण प्रमाणपत्र!

नासिक, एजेंसी। बाणगंगा पेपर इंडस्ट्रीज लिमिटेड (बीएसई - 512025), (पूर्व में इनर्शिया स्टील लिमिटेड के नाम से प्रसिद्ध), जो उच्च गुणवत्ता वाले क्राफ्ट पेपर के प्रमुख निर्माता और आपूर्तिकर्ता हैं, को उनकी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी बाणगंगा पेपर मिल्स के माध्यम से महाराष्ट्र पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड से नवीकृत पर्यावरण स्वीकृति पत्र प्राप्त हुआ है। यह प्रमाणपत्र कंपनी की क्राफ्ट पेपर यूनिट को 31 मार्च 2029 तक संचालित करने की अनुमति देता है। यह नवीनीकरण यह सुनिश्चित करता है कि कंपनी जल (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 1974 तथा वायु (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 के अंतर्गत आवश्यक नियमों का पूरा तरह पालन कर रही है। इस मान्यता के माध्यम से कंपनी ने एक बार फिर अपने पर्यावरणीय उत्तरदायित्व और सतत उत्पादन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सशक्त रूप से दर्शाया है। यह संयंत्र आरडीएफ का उपयोग करता है — एक वैकल्पिक ईंधन जो गैर-रिसायकल कचरे से तैयार किया जाता है — अपने 12 टीपीएच बॉयलर में, कोयले और कृषि अपशिष्ट के साथ मिलाकर। इस नवाचारपूर्ण कदम से पारंपरिक ईंधनों पर निर्भरता घटती है और साथ ही कचरे का प्रबंधन भी प्रभावी ढंग से होता है। परिणामस्वरूप, उत्सर्जन में कमी आती है और ऊर्जा दक्षता में सुधार होता है।

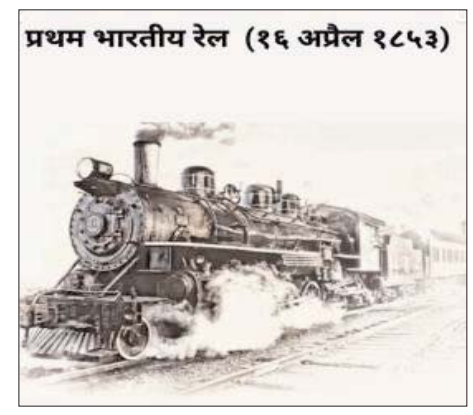

फोनपे सर्कल के साथ लाइव हुआ

मुंबई, एजेंसी। फोनपे ने अपने ऐप पर सर्कल लांच करने की घोषणा की है, जिससे इसके यूजर एक सर्कल बना सकेंगे और अपने परिवार, मित्रों या भरोसेमंद कॉन्टैक्ट की ओर से पेमेंट कर सकेंगे। सर्कल यूजर किसी लिंक्ड बैंक अकाउंट के बिना अपना आईडी बना सकते हैं, जिससे डिजिटल वित्तीय सेवाओं तक सीमित पहुंच वाले लोगों के लिए एक सुरक्षित ऑनलाइन पेमेंट समाधान उपलब्ध हो जाता है। फोनपे पर सर्कल के साथ, खाताधारक (प्राइमरी यूजर), आईडी या क्यूआर कोड का उपयोग करके अपने परिवार/भरोसेमंद व्यक्तियों (सेकेंडरी यूजर) को अपने सर्कल में जोड़ सकते हैं और कहीं से भी उनके लिए पेमेंट को आसानी से ऑथराइज कर सकते हैं। प्राइमरी यूजर के पास इस सर्कल के उपयोग का पूरा नियंत्रण होता है, जिसमें पेमेंट अनुरोधों को रिव्यू करना, सेकेंडरी यूजर के खर्चों पर नज़र रखना, प्रत्येक सर्कल में पूरी पेमेंट डिटेल्स रिकॉर्ड तक सुरक्षित एक्सेस प्राप्त करना और जरूरत के अनुसार अपने सर्कल से एक्सेस को डीलिंक करना भी शामिल है।

सिग्निफाई ने उत्तर प्रदेश के 300 से अधिक वन्य गाँवों को रोशन किया

मुंबई, एजेंसी। लाईटिंग के क्षेत्र में विश्व की प्रमुख कंपनी, सिग्निफाई ने अपने हर गाँव रोशन सीएसआर प्रोजेक्ट के अंतर्गत मानव-वन्यजीव टकराव वाले वन्य क्षेत्रों की सुरक्षा बढ़ाने के उद्देश्य से बहराईच में रोशनी की व्यवस्था की है। रोशनी की यह व्यवस्था स्वास्थ्य और शिक्षा में सुधार लाने तथा मानव वन्यजीवों का टकराव रोकने के लिए की गई है। इन एनर्जी एफिशिएंट लाईट्स के लग जाने के बाद गांव के लोग रात में भी आसानी से घूम सकते हैं, जिससे उनकी आजीविका बेहतर हुई है तथा खासकर शाम की कक्षाओं में पढ़ने वाले बच्चों की शिक्षा में भी सुधार हुआ है। समुदायों को सस्टेनेबल लाइटिंग समाधान प्रदान करके इस अभियान ने एक उज्ज्वल भविष्य का रास्ता तैयार किया है, जो उत्तर प्रदेश के मध्य स्थित इस ग्रामीण क्षेत्र में सुरक्षा, अवसर, और प्रगति लेकर आएगा। यह प्रोजेक्ट एनजीओ, फिनिश सोसायटी के सहयोग से चलाया जा रहा है। इसके तहत 300 वन्य गाँवों में 5000 से अधिक उच्च क्वालिटी की एलईडी और सोलर स्ट्रीट लाईट्स लगाई जा रही हैं। उद्घाटन कार्यक्रम में कतरनियाघाट वन्यजीव मंडल, बहराईच के डिवीज़नल फॉरेस्ट ऑफिसर (डीएफओ) श्री बी. शिव शंकर मौजूद थे।

अनूठे अनुभव की संभावना तलाश रहे भारतीय यात्री- अमेरिकन एक्सप्रेस 2025 ग्लोबल ट्रैवेल ट्रेंड्स रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकन एक्सप्रेस ने 2025 ग्लोबल ट्रैवेल ट्रेंड्स रिपोर्ट जारी की है जिसमें यह खुलासा हुआ है कि भारतीय यात्री किस तरह से सोच समझकर यात्रा की योजना बना रहे हैं। इसमें स्थानीय और हाथ से बने सामानों की खरीदारी से लेकर लग्जरी वस्तुओं की खरीद के लिए विशेष यात्रा की तैयारी या कंसर्ट्स एवं खेल आयोजनों में शामिल होने की योजना शामिल है। इस रिपोर्ट में संकेत दिया गया है कि भारतीय यात्री 2025 में अनूठे अनुभवों को प्राथमिकता दे रहे हैं। अमेरिकन एक्सप्रेस बैंकिंग कॉर्प इंडिया के सीईओ और कंट्री मैनेजर संजय खन्ना ने कहा, भारतीय पहले से कहीं अधिक जागरूक हैं और अपनी यात्रा के दौरान समग्र अनुभव चाहते हैं। अमेरिकन एक्सप्रेस में हम हमारे कार्डधारकों की पसंद समझते हैं और यात्रा, खानपान, खरीदारी और मनोरंजन, उनकी यात्रा के प्रत्येक पहलू को ध्यान में रखकर उन्हें लाभ दिलाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अमेरिकन एक्सप्रेस 2025 ग्लोबल ट्रैवेल ट्रेंड्स रिपोर्ट में प्रमुख रुख इस प्रकार हैं- भारतीय यात्री अनूठे अनुभवों और खरीदारी को प्राथमिकता दे रहे हैं 92 प्रतिशत भारतीय यात्रा के दौरान अपनी तरह की अनूठी यादगार वस्तु खरीदना चाहते हैं ताकि मित्रों व परिवार के साथ साझा करने के लिए उनके पास कहानी हो। 84 प्रतिशत भारतीयों का कहना है कि नए स्थान पर जाते समय स्थानीय छोटे दुकानदारों का सहयोग करना उनके लिए महत्वपूर्ण है। 81 प्रतिशत भारतीय अपनी अगली यात्रा पर उच्च गुणवत्ता की स्थानीय वस्तुएं जैसे कॉफी बीन्स, पर्सियन रग्स, इटैलियन लेदर आदि खरीदने को प्राथमिकता दे रहे हैं। 50 प्रतिशत भारतीय लग्जरी वस्तु या निवेश की वस्तु खरीदने के लिए 2025 में विदेश यात्रा करने की योजना बना रहे हैं।

मध्य प्रदेश की बेटी आईएएस शीतला पटले की कहानी हर लड़की को देती है उड़ान की हिम्मत

भोपाल। कभी बालाघाट जिले के किरनापुर की गलियों से निकलने वाली एक छात्रा... आज कलेक्टर हैं। यह कहानी है आईएएस शीतला पटले की, जिनकी जीवन यात्रा संघर्ष, संकल्प और सफलता की जीवंत मिसाल है। शीतला पटले का जन्म बालाघाट जिले के किरनापुर कस्बे में हुआ। उनके पिता कृषि विभाग में एसडीओ रहे और मां शिक्षिका। बेहद अनुशासित और पढ़ाई को प्राथमिकता देने वाले परिवार से आने के कारण शीतला बचपन से ही पढ़ाई में अव्वल रहीं। स्कूली दिनों में उनके शिक्षकों को यह अंदाजा हो गया था कि यह लड़की एक दिन बड़ी अधिकारी बनेगी।

शीतला ने 9वीं तक की पढ़ाई किरनापुर से की। इसके बाद उन्होंने ऑल इंडिया स्कॉलरशिप एग्जाम दिया और चयनित होकर इंग्लैंड चली गईं। अब जरा सोचिए, हिंदी मीडियम छात्रा को अचानक इंग्लैंड में इंग्लिश मीडियम से पढ़ाई करनी पड़ी, पर शीतला ने कभी इस चुनौती को कमजोरी नहीं बनने दिया। जहां बहुत से लोग भाषा की दीवार में उलझ जाते हैं, वहीं शीतला ने उस दीवार पर सीढ़ियां बनाईं। इंग्लैंड से 12वीं की पढ़ाई पूरी करने के बाद वे जर्मनी गईं और वहीं से डिग्री हासिल की। भारत लौटकर शीतला ने ठान लिया था कि उन्हें सिविल सर्विस में जाना है। उन्होंने क्क्कस्ट की परीक्षा दी, पर दो बार इंटरव्यू तक पहुंचने के बावजूद उनका चयन नहीं हुआ। एक आम इंसान के लिए यह हार हिम्मत तोड़ सकती थी, लेकिन शीतला के इरादे मजबूत थे। उन्होंने न तो अपनी पढ़ाई छोड़ी, न उम्मीद। तीसरे प्रयास में उन्होंने 2013 में देशभर में 22वीं रैंक हासिल की और बन गईं आईएएस अफसर। बतौर कलेक्टर शीतला पटले जिले के हर कोने में पहुंचती हैं। स्कूलों, अस्पतालों, पंचायत भवनों का निरीक्षण करती हैं। मुख्यमंत्री जनकल्याण शिविरों में खुद जाती हैं, ग्रामीणों से बात करती हैं और उनकी समस्याओं का समाधान कराती हैं। वे जब भी किसी छात्रा से मिलती हैं तो यही कहती हैं, मैं भी आप जैसी लड़की थी, जिसने कभी यह नहीं सोचा था कि वह आईएएस बनेगी, लेकिन मैंने हार नहीं मानी। उनकी यही सादगी और आत्मीयता उन्हें खास बनाती है।

2014 बैच की आईएएस अधिकारी शीतला पटले 16 अप्रैल 2025 की स्थिति में वे नरसिंहपुर कलेक्टर हैं। इससे पहले वे छिंदवाड़ा में भी कलेक्टर के रूप में अपनी सेवाएं दे चुकी हैं। वे एसडीएम डबरा, संयुक्त कलेक्टर गुना, एसडीएओ पुनासा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी (ष्टश्वह्र) इंदौर स्मार्ट सिटी, उप सचिव मध्य प्रदेश शासन, अपर आयुक्त (राजस्व) सागर संभाग और जिला पंचायत सीईओ देवास रहीं हैं।

भारत में पहली रेलगाड़ी 16 अप्रैल 1853 को चली

हिन्दुस्थान की सरजमीं पर पहली यात्री ट्रेन 16 अप्रैल, 1853 को मुंबई के बोरी बंदर से ठाणे के बीच चली थी. यह ट्रेन 34 किलोमीटर की दूरी तय करती थी. इस ट्रेन को साहिब, सुल्तान, और सिंध नाम के तीन इंजनों ने खींचा था. इस ऐतिहासिक यात्रा का नेतृत्व तत्कालीन गवर्नर-जनरल लॉर्ड डलहौज़ी ने किया था.

पहली रेलगाड़ी की खास बातें

इस ट्रेन में 14 डिब्बे थे और इसमें 400 यात्री सवार थे. ट्रेन की रवानगी दोपहर बाद 3:55 बजे हुई थी. ट्रेन को रवाना करते समय 21 तोपों की सलामी दी गई थी.

इस ट्रेन ने 34 किलोमीटर का सफ़र डेढ़ घंटे में पूरा किया था. इस सफ़र में यह ट्रेन दो स्टेशनों पर रुकी थी.बोरीबंदर रेलवे स्टेशन से रवाना होकर 8 किलोमीटर चलने के बाद यह ट्रेन भायखला में रुकी थी.भारत में रेलवे की शुरुआत अंग्रेज़ों ने की थी. (साभार)

आज फिर सस्ता हुआ सोना-चांदी

मुंबई, एजेंसी। अगर आप बुधवार को सोना या चांदी खरीदने जा रहे हैं, तो यह खबर आपके लिए बेहद काम की है। आज यानी 16 अप्रैल 2025 को सर्राफा बाजार से आई ताजा अपडेट के मुताबिक, सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है। सोने के दाम में 350 रुपये प्रति 10 ग्राम की गिरावट आई है, वहीं चांदी भी 100 रुपये प्रति किलो सस्ती हो गई है। नई दरों के अनुसार, 24 कैरेट शुद्ध सोने का भाव अब 95,330 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है, जबकि 22 कैरेट सोने के दाम 87,350 प्रति 10 ग्राम पर ट्रेंड कर रहे हैं। वहीं 18 कैरेट सोना भी अब 71,470 प्रति 10 ग्राम की दर से बिक रहा है, जो पिछले दिनों की तुलना में कम है। चांदी की बात करें तो आज 1 किलो चांदी का बाजार मूल्य 99,800 पर आ गया है। पिछले कुछ हफ्तों से चांदी की कीमतें 1 लाख के आसपास ट्रेंड कर रही थी।

18 कैरेट सोने के ताजा भाव : दिल्ली- 71,460 रुपए प्रति 10 ग्राम, कोलकाता और मुंबई- 71,340 प्रति 10 ग्राम, भोपाल और इंदौर- 72,480 प्रति 10 ग्राम, चेन्नई- 72,240 प्रति 10 ग्राम।

22 कैरेट सोने के ताजा भाव

चेन्नई- 87,190 प्रति 10 ग्राम, भोपाल और इंदौर-रुपए 87,160 प्रति 10 ग्राम, दिल्ली, जयपुर, लखनऊ- रुपए 87,340 प्रति 10 ग्राम, हैदराबाद, केरल, कोलकाता, मुंबई- रुपए 87,190 प्रति 10 ग्राम।

24 कैरेट सोने के ताजा भाव: भोपाल और इंदौर- रुपए 95,200 प्रति 10 ग्राम, दिल्ली, जयपुर, लखनऊ, चंडीगढ़- रुपए 95,320 प्रति 10 ग्राम, हैदराबाद, केरल, बेंगलुरु, मुंबई- रुपए 95,170 प्रति 10 ग्राम, चेन्नई- रुपए 95,170 प्रति 10 ग्राम।

चांदी की ताजा कीमतें: जयपुर, कोलकाता, अहमदाबाद, लखनऊ, मुंबई, दिल्ली- रुपए 99,800 प्रति किलो, चेन्नई, मदुरै, हैदराबाद, केरल- रुपए 1,09,000 प्रति किलो,भोपाल, इंदौर- रुपए 99,800 प्रति किलो।

दो ट्रेडिंग सेशन में तेजी के बाद बाजार में ब्रेक सेंसेक्स 150 अंक टूटा, निफ्टी में भी गिरावट

मुंबई, एजेंसी। शेयर बाजार की शुरुआत आज गिरावट की साथ हुई. पिछले दो दिनों से लगातार शेयर बाजार में भारी उछाल देखने को मिल रहा था. लेकिन आज दो दिनों की तेजी पर ब्रेक लग गया. आज के कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों इंडेक्स में गिरावट देखने को मिली. सेंसेक्स 50 हजार के स्तर पर है. वहीं निफ्टी 15 हजार के स्तर पर कारोबार कर रहा है. बुधवार के कारोबार में सेंसेक्स 150 अंकों की गिरावट के साथ 50045 के स्तर पर ट्रेड कर रहा है।

वहीं निफ्टी भी करीब 40 अंकों टूटकर 15065 के स्तर पर दिख रहा है. आज के कारोबार में ऑटो सेक्टर में बिकवाली देखी जा रही है. हालांकि फार्मा और रियल्टी सेक्टर में थोड़ी तेजी देखी जा रही है. इसके कारण शेयर बाजार को थोड़ सपोर्ट भी मिल रहा है. बुधवार को बैंक और फाइनेंशियल सेक्टर के शेयरों पर दबाव देखा जा रहा है. महिंद्रा एंड महिंद्रा, ओएनजीसी और कोटक बैंक आज के टॉप लूजर्स की श्रेणी में हैं. हालांकि पावरग्रिड और अल्ट्राटेक सीमेंट आज के टॉप गेनर की लिस्ट में हैं. इसके पहले मंगलवार को शेयर बाजारों में शानदार तेजी रही थी. सेंसेक्स 613 अंकों की तेजी के साथ 50193 के स्तर पर बंद हुआ था. वहीं निफ्टी भी 185 अंक मजबूत होकर 15108 के स्तर पर समाप्त हुआ था. शेयर बाजार में कारोबार की शुरूआत में भी शानदार तेजी देखने को मिली. मंगलवार की सुबह सेंसेक्स 600 अंकों की तेजी के साथ 50,180 के स्तर पर खुला था. वहीं निफ्टी भी 184 अंक मजबूत होकर 15107 के स्तर पर शुरू हुआ था. आज के कारोबार में लॉर्जकैप शेयरों पर दबाव देखने को मिल रहा है. 30 शेयरों वाले सेंसेक्स के केवल 15 शेयर हरे निशान है. जबकि बाकि के 15 शेयर लाल निशान पर कारोबार कर रहे हैं. टेक महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट, पावरग्रिड, इंफोसिस, नेस्ले इंडिया और टाइटन आज के टॉप गेनर की लिस्ट में शामिल हैं. वहीं कोटक महिंद्रा बैंक, एचयूएल, भारती एयरटेल, और आज के टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ की बड़ी खबर सीपीआई से जुड़े 6 संगठनों पर सरकार ने लगाई रोक

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (माओवादी) और इससे संबंध छह संगठनों पर लगे प्रतिबंध की अवधि एक वर्ष के लिए और बढ़ा दी है। यह कार्रवाई छत्तीसगढ़ विशेष जन सुरक्षा अधिनियम, 2005 के तहत की गई है। राज्य सरकार द्वारा जारी आदेश के अनुसार, सीपीआई से जुड़े छह संगठनों पर प्रतिबंध जारी रहेगा, उनमें दंडकारण्य आदिवासी किसान मजदूर संघ, क्रांतिकारी आदिवासी महिला संघ, क्रांतिकारी आदिवासी बालक संघ, क्रांतिकारी किसान कमेटी, महिला मुक्ति मंच, नेशनल रिवोल्यूशनरी पीपुल्स काउंसिल (जनताना सरकार) शामिल हैं। बता दें कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने छत्तीसगढ़ आतंकी फंडिंग मामले में बड़ी कार्रवाई की गई थी। प्रतिबंधित (माओवादी) आतंकी संगठन से जुड़े एक फ्रंटल संगठन के शीर्ष नेता को गिरफ्तार किया गया था। मूलवासी बचाओ मंच (एमबीएम) के नेता रघु मिडियामी पर आतंकी संगठन के लिए फंड जुटाने का काम करने का आरोप लगाया गया था। जिसके चलते भारत विरोधी एजेंडे को आगे बढ़ाया जा सकेगा।

बादाम से सुधरता है दिल व मेटाबॉलिज़्म का स्वास्थ्य, वजन कम करने में भी मददगार

मुंबई, एजेंसी। एक नए प्रकाशन में, दुनिया के बड़े स्वास्थ्य और पोषण विशेषज्ञों ने बताया है कि रोज़ाना बादाम खाने से दिल और शरीर की चयापचय (मेटाबॉलिज्म) सेहत अच्छी रहती है। 11 वैज्ञानिकों और डॉक्टरों ने बादाम और कार्डियोमेटाबॉलिक स्वास्थ्य पर अब तक हुई रिसर्च का विश्लेषण किया और इस बात पर सहमति जताई कि बादाम का नियमित सेवन कई प्रमुख स्वास्थ्य क्षेत्रों में लाभ पहुंचा सकता है। विशेषज्ञों ने पाया कि रोज़ाना बादाम खाना एक प्रभावी और प्रमाणित खानपान रणनीति है, जो हृदय स्वास्थ्य, वजन नियंत्रण और पाचन तंत्र (गट माइक्रोबायोम) को बेहतर बनाए रखने में मदद करता है। इस सहमति पत्र में यह भी बताया गया है कि अगर कोई व्यक्ति प्रतिदिन कम से कम 50 ग्राम (1.8 औंस या लगभग दो मुट्ठी) बादाम का सेवन करता है, तो कुछ मामलों में मामूली रूप से वजन घटाने में भी सहायता मिल सकती है। करंट डेवलपमेंट्स इन न्यूट्रिशन में प्रकाशित सहमति पत्र, आमंड बोर्ड ऑफ कैलिफोर्निया द्वारा वित्त पोषित एक वैज्ञानिक गोलमेज सम्मेलन के बाद तैयार किया गया है। इसमें रोज़ाना बादाम खाने के फायदे बताए गए।

हनुमान प्राकट्योत्सव पर दिव्यांगजनों को मिला नई उम्मीद का उपहार

भोपाल। छोला रोड स्थित खेडापति मंदिर परिसर में हनुमान प्राकट्योत्सव के पावन अवसर पर सर्व समृद्धि चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा एक विशेष जन कल्याणकारी सेवा कार्य का आयोजन किया गया। इस पुण्य अवसर पर दिव्यांगजनों को बैटरी से चलने वाली स्वचालित साइकिलें उपहार स्वरूप प्रदान की गईं। यह सेवा कार्य सर्व समृद्धि चैरिटेबल फाउंडेशन की ओर से समाज के प्रति दायित्व और समर्पण का प्रतीक है, जो दिव्यांगजनों के जीवन में आत्मनिर्भरता और सुविधा को बढ़ावा देगा। इस प्रेरणादायी आयोजन ने समाज को समरसता और सेवा का संदेश भी दिया।इस अवसर को गौरवान्वित करने के लिए श्री राजेन्द्र प्रसाद गर्ग, श्रीमती सुशीला देवी गर्ग, श्रीमती राखी गर्ग एवं श्री सुनील गर्ग की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी गणमान्य अतिथियों ने दिव्यांगजनों को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। सुनील गर्ग ने इस अवसर पर एक महत्वपूर्ण सामाजिक संदेश देते हुए कहा दिव्यांगता कमजोरी नहीं, बल्कि विशेष सामर्थ्य का प्रतीक है। हमें उन्हें सहानुभूति नहीं, सहयोग और अवसर देना चाहिए, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें और समाज में सम्मानपूर्वक जीवन जी सकें। सर्व समृद्धि फाउंडेशन द्वारा किए गए इस सेवा कार्य से कई दिव्यांगजनों को अपनी रोज़मर्रा की ज़िंदगी को सहज और आत्मनिर्भर तरीके से जीने की एक नई राह मिली है। हनुमान प्राकट्योत्सव के शुभ अवसर पर आयोजित इस सेवा कार्य ने समाज के बीच एक सकारात्मक संदेश प्रसारित किया कि सेवा ही सच्चा धर्म है।

वाहन ऐआई ने भोपाल के टॉप वाहन लीडर को भेंट की महिंद्रा थार

भोपाल । भारत वर्ष की रिक्रूटमेंट एजेंसियाँ को, विशेषकर छोटे शहरों और उभरते कस्बों में, कई अनूठी चुनौतियों का सामना करना पड़ता हैं . सीमित संसाधन, प्रीमियम नौकरियों की मांग तक सीमित पहुँच, और बड़े शहरों में मौजूद बड़े प्लेयर्स से कड़ी प्रतिस्पर्धा। ये बाधाएं एजेंसियों को ब्लू.कॉलर नियुक्तियों की विशाल संभावनाओं को तलाशने से रोकती हैं। वाहन ऐआई का ट्रांस्फोर्मेटिव वाहन लीडर्स प्लेटफ़ॉर्म (क्रूरु प्लेटफ़ॉर्म) इस स्थिति को बदल रहा है। यह छोटे शहरों में स्थित रिक्रूटमेंट एजेंसियों के लिए जबरदस्त विकास और प्रभाव के अवसर खोल रहा है, जिससे वे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग का उपयोग करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकें। वाहन लीडर प्लेटफ़ॉर्म के अंतर्गत क्रूरु के साथ साझेदारी करने वाली रिक्रूटमेंट एजेंसियों ;जिन्हें वाहन लीडर्स कहा जाता है, ने बेहतरीन परिणामों का अनुभव किया है। उन्होंने अपने ग्राहक पोर्टफोलियो, क्षमता और भौगोलिक पहुंच में विस्तार कर रिवेन्य में 10 गुना तक की वृद्धि हासिल की है। इस प्लेटफ़ॉर्म के ऐआई सक्षम टूल्स से रिक्रूटर्स की उत्पादकता बढ़ती है, जिससे वे उच्च क्षमता वाले उम्मीदवारों की पहचान, ऑनबोर्डिंग ट्रैकिंग और इफेक्टिव कम्युनिकेशन प्रोसेस को बेहतर बना पाते हैं। अब कई एजेंसियाँ स्विगी, ज़ेप्टो, ब्लिंकिट, फ्लिपकार्ट, ज़ोमैटो और अन्य तेजी से बढ़ते ब्रांड्स के साथ हर महीने अधिक रिक्रूटमेंट करने में सक्षम हो रही हैं। वाहन लीडर प्लेटफ़ॉर्म अवार्ड के विजेता, एवर स्टाफिंग सर्विसेज, भोपाल, मध्य प्रदेश, इस परिवर्तन का एक बेहतरीन उदहारण हैं। उन्होंने वाहन लीडर प्लेटफ़ॉर्म की तकनीक का उपयोग करना शुरू किया।

एनएसडीसी इंटरनेशनल ने जर्मनी के साथ अपनी कौशल विकास साझेदारी को बनाया मजबूत

नई दिल्ली/ हैम्बर्ग। एनएसडीसी इंटरनेशनल के प्रतिनिधियों ने जर्मनी का दौरा किया और विभिन्न हितधारकों के साथ सामरिक एवं सीमापार कौशल साझेदारियों पर विचार-विमर्श किया, ताकि विश्वस्तरीय कार्यबल को उद्योग जगत की बदलती ज़रूरतों के अनुसार प्रासंगिक एवं भविष्य के अनुकूल क्षमताओं के साथ सशक्त बनाया जा सके। प्रतिनिधियों ने हैम्बर्ग, जर्मनी में आयोजित प्रतिष्ठित ओएवी सम्मेलन में भी हिस्सा लिया, जहां भारत, श्रीलंका, भूटान, मलेशिया, इंडोनेशिया सहित विभिन्न देशों से 100 प्रतिनिधि एक मंच पर इकट्ठा हुए। इन प्रतिनिधियों ने कार्यबल को भविष्य के लिए तैयार एवं विश्वस्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय साझेदारियों की भूमिका पर विचार प्रस्तुत किए। राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) की पूर्ण स्वामित्व की सब्सिडरी एनएसडीसी इंटरनेशनल ने तेज़ी से विकसित होते उद्योगों और दुनिया भर के जॉब मार्केट्स की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए नए दौर के कौशल को बढ़ावा देने के महत्व पर ज़ोर दिया।

गोदरेज के बीआईएस और आईएसओ प्रमाणित सेफ्स

मुंबई, एजेंसी। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप का सिक्योरिटी सॉल्यूशन्स बिज़नेस उपभोक्ताओं को प्रमाणित और अत्याधुनिक सुरक्षा समाधान उपलब्ध कराते हुए उन्हें सशक्त बना रहा है। बदलते समय में जहां सुरक्षा की ज़रूरतें तेजी से विकसित हो रही हैं, वहीं उपभोक्ताओं का भरोसा और उत्पादों की विश्वसनीयता पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। बीआईएस और आईएसओ जैसे सख्त गुणवत्ता मानकों पर खरा उतरते हुए, गोदरेज उद्योग जगत में उच्चतम स्तर की पारदर्शिता और भरोसेमंद सुरक्षा उपकरणों की दिशा में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। प्रमाणित सुरक्षा उत्पाद न सिर्फ उपभोक्ता की रक्षा करते हैं, बल्कि उन्हें आत्मविश्वास के साथ निर्णय लेने की सुविधा भी देते हैं। गोदरेज सिक्योरिटी सॉल्यूशन्स बिज़नेस के कार्यकारी उपाध्यक्ष एवं व्यवसाय प्रमुख, श्री पुष्कर गोखले ने उपभोक्ता संरक्षण में प्रमाणन की भूमिका पर जोर देते हुए कहा, वर्तमान समय में, जब सुरक्षा को लेकर चुनौतियां बढ़ रही हैं।

सामूहिक विवाह, निकाह योजना में आवेदन की तिथि बढ़कर हुई 21 अप्रैल

छिंदवाड़ा। मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित मुख्यमंत्री कन्यादान विवाह/निकाह योजना अंतर्गत नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा में दिनांक 30 अप्रैल 2025 को सामूहिक विवाह/ निकाह का आयोजन किया जाना है। विवाह के 15 दिवस पूर्व 15 अप्रैल 2025 को आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि निर्धारित की गई थी। इस संबंध में नगर पालिक निगम महापौर विक्रम अहके के निर्देश पर जन सुविधा की दृष्टि से आवेदन की तिथि को बढ़ाकर 21 अप्रैल कर दिया है। हितग्राही 21 अप्रैल तक आवेदन कर योजना का लाभ ले सकते है। इस संबंध में नगर निगम छिंदवाड़ा महापौर विक्रम अहके ने सभी नागरिकों से अपील की है कि आवेदन के तिथि बढ़ने का लाभ अधिक से अधिक हितग्राही लें एवं आवेदन जमा कर शासन की योजना का लाभ लें। महापौर विक्रम अहके ने बताया कि 30 अप्रैल 2025 को आयोजित होने वाला समारोह डीडीसी ग्राउंड में आयोजित किया जाएगा। जिसके आवेदन जोन कार्यालय अथवा योजना कार्यालय से प्राप्त कर आज ही जमा करना होगा। जनपद क्षेत्र अंतर्गत निवासरत कन्या आवेदको का आवेदन जनपद पंचायत कार्यालय में जमा होगा एवं नगरीय क्षेत्र छिंदवाड़ा अंतर्गत निवासरत कन्या आवेदकों के आवेदन नगर निगम छिंदवाड़ा में जमा होंगे। इस प्रकार आज अंतिम दिन प्रक्रिया को पूर्ण करना अनिवार्य होगा।

निगम ने 30 अप्रैल तक बढ़ाई जलकर जमा करने की तिथि

छिंदवाड़ा। शासन द्वारा जल उपभोक्ता प्रभार जमा करने की तिथि प्रतिमाह की 15 तारीख निर्धारित की गई है। इसके बाद राशि जमा करने पर 25 प्रतिशत की पेनाल्टी लगाई जाती है। परन्तु अप्रैल माह में शासकीय अवकाश एवं सार्वजनिक अवकाश होने के कारण मार्च का जल उपभोक्ता प्रभार जमा करने में आम जन को परेशानी से बचाने एवं जन सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा द्वारा जल उपभोक्ता मार्च पेड अप्रैल की जल उपभोक्ता प्रभार राशि जमा करने की तिथि 30 अप्रैल तक बढ़ा दी गई है। नगरवासी शासकीय अवकाश को छोड़कर 30 अप्रैल 2025 तक मार्च पेड अप्रैल की राशि निगम के पानी टंकी, कुकड़ा जगत जोन कार्यालय, लोनिया करबल कार्यालय, चन्दनगांव एवं जगन्नाथ स्कूल जोन कार्यालय में जमा कर सकते है।

सिकल सेल रोगियों के लिए होम्योपैथिक का निःशुल्क चिकित्सा शिविर 18 को

छिंदवाड़ा। होम्योपैथिक का 18 अप्रैल को सांसद के मार्गदर्शन में होम्योपैथि वेलफेयर एसोसिएशन छिंदवाड़ा के द्वारा निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन पूजा लॉज छिंदवाड़ा में किया गया है। जिसमें मरीजों का सिकलिंग टेस्ट और हीमोग्लोबिन तथा ब्लड ग्रुप का भी निःशुल्क टेस्ट किया जाएगा। सांसद श्रसाहू ने छिन्दवाड़ा एवं पांढुर्णा के सिकलसेल मरीजों को पहुंचकर शिविर का लाभ लेने की अपील की है। सांसद साहू ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प है कि 2047 तक देश में सिकल सेल रोग को समूल नाश करना है। इसके अलावा इस रोग के मरीज को लगातार रक्त चढ़ाना पड़ता है। सिकल सेल रोगियों के रक्त की पूर्ति के लिए हमारे द्वारा प्राथमिकता के साथ कार्य किया जा रहा है। इन रोगियों के कल्याण की भावना का उद्येश्य लेकर छिंदवाड़ा के होम्योपैथिक चिकित्सकों के सहयोग से सिकल सेल रोगियों की जाँच कर उनकी होम्योपैथिक चिकित्सा से निःशुल्क ईलाज किया जायेगा।

आगजनी से पीड़ित परिवार मुआवजे का प्रकरण तत्काल बनाएं

परासिया। परासिया विधानसभा क्षेत्र के नगर पालिका वार्ड कमांक बारह के बाजार मोहल्ले में आराधना विद्यालय के पीछे राजकुमार मालवीय के मकान में देर रात आग लग गई। आग से घर का सामान जलकर खाक हो गया। नगर पालिका अध्यक्ष विनोद मालवीय मंगलवार को पीडित परिवार के घर पहुंचे और मदद दिलाने के लिए प्रयास किया। जिसमें वार्ड की पार्षद और सभापति सुषमा चौरसिया उनके साथ थी। रात में पहुंच गई थी। व आग से पीडित राजकुमार मालवी और परिवार के लोगों से नगर पालिका अध्यक्ष विनोद मालवीय ने बात की। राजस्व अधिकारियों से चर्चा कर उन्होंने तत्काल प्रकरण बनाकर मुआवजा देने के लिए प्रयास करने के लिए कहा। सांसद बंटी साहू को भी उन्होंने घटना से अवगत कराया है। नगर पालिका अध्यक्ष के साथ सलीम खान, वार्ड प्रभारी अर्शद खान, प्रतीक डेहरिया उपस्थित थे।

तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से एक व्यक्ति घायल

अमरवाड़ा। बायपास छठियाई माई मंदिर के पास तेज रफ्तार ट्रक चालक ने बाइक सवार को मारी टक्कर बाइक सवार हुए गंभीर रूप से घायल जानकारी के अनुसार घटना मंगलवार की 12 बजे की है जहां अमरवाड़ा के नई आबादी के रहने वाले मदन सोनी छिंदवाड़ा से वापस अमरवाड़ा अपनी टू व्हीलर वाहन से आ रहे थे तभी सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक चालक ने उन्हें टक्कर मार दी जिसकी वजह से उनके हाथ में गंभीर चोट आई है मौके पर आसपास के लोगों ने उन्हें अमरवाड़ा हॉस्पिटल में भर्ती कराया जहां इलाज के बाद छिंदवाड़ा रेफर किया गया है।

कोऑपरेटिव बैंक शीघ्र 5 लाख की लिमिट प्रारंभ करें

छिंदवाड़ा। किसान नेता संदीप रघुवंशी ने बताया कि चौरई क्षेत्र के किसान उनसे मिले थे उन्होंने बताया कि बैंक 5 लाख के लिमिट पर कर्ज नहीं दे रही है उसे शीघ्र प्रारंभ किया जाए एवं 1,20,000 की खाद बीज खरीदने की अनिवार्यता समाप्त की जाए इस संबंध में संदीप रघुवंशी ने सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग को पत्र लिखकर मांग की है कि छिंदवाड़ा को ऑपरेटिव बैंक किसानों को शीघ्र 5 लाख की लिमिट प्रदान की जावे।

मील का पत्थर बनी मुख्यमंत्री कन्यादान योजना: सांसद

तामिया में आयोजित हुए मुख्यमंत्री कन्यादान योजना से हुआ 497 जोड़ों का विवाह

छिंदवाड़ा। जब से भाजपा की सरकार प्रदेश में बनी है तब से समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक जनहितैषी योजनाओं का सही क्रियान्वयन हुआ है। जिसमें मुख्यमंत्री कन्यादान योजना समाज के विकास में आज मील का पत्थर बन गया है। उक्त आशय के उद्गार सांसद बंटी विवेक साहू ने तामिया में आयोजित मुख्यमंत्री कन्यादान समारोह के दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।तामिया में स्थित सरस्वती शिशु मंदिर के सामने साप्ताहिक बाजार के मैदान में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग छिन्दवाड़ा द्वारा आयोजित मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत मंगलवार को 497 जोडों ने एक दूसरे का हाथ थामा। इसमें 2 कल्याणी विवाह सहित अन्य समाज के जोडों के भी विवाह हुए। तामिया में पहली बार इतनी बडी संख्या में मुख्यमंत्री कन्यादान कल्याण योजना से विवाह हुए है। सांसद साहू ने सामूहिक विवाह समारोह में कहा कि गरीब के कल्याण के लिए निकली योजना में कन्यादान योजना भी महत्वपूर्ण है। इससे गरीब भी अपनी बेटी का विवाह बाजे गाजे और धूमधाम से सम्मान के साथ कर पा रहा है। पहले गरीब को बेटी के विवाह की सम्मान के साथ करने की चिंता रहती थी। इस योजना से सम्मान के साथ गरीब अपनी बेटी का विवाह कर पा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में गरीबों तक शासन की योजना कैसे पहुंचे इसका काम किया जा रहा है। इस अवसर पर सांसद साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने नव विवाहित जोडों को शुभकामनाएं दी और उन पर फूल बरसाए। विवाह समापन के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा चलाये जा रहे अभियान एक पेड़ माँ के नाम के तहत वृक्षमित्र रविन्द्र कुशवाह के माध्यम से सभी जोड़ों को फलदार पौधे प्रदान किये गए।प्रतिकात्मक चैक प्रदान कियेकार्यक्रम में सांसद बंटी विवेक साहू ,महापौर विक्रम अहके, पूर्व विधायक नत्थन शाह कवरेती, जनपद पंचायत अध्यक्ष तुलसा परतेती, विधायक सुनील उईके सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने सभी 497 जोड़ों को प्रतिकात्मक चैक प्रदान किये। जिसमें प्रत्येक जोड़ों 49 हजार के प्रतिकात्मक चेक दिये गये। जिसमें कुल 2 करोड़ 43 लाख 53 हजार की सहायता राशि नवविवाहित जोड़ों प्रदान की गई। धूमधाम से निकली बारातइससे पहले जनपद पंचायत से सामुहिक विवाह समारोह स्थल साप्ताहिक बाजार मैदान के लिए बग्घियों, घोड़ों सहित अन्य साधनों से बारात निकली। बारात में सभी जनप्रतिनिधिगण ,अधिकारीगण उपस्थित रहे। बडी संख्या में स्थानीय नागरिक भी विवाह समारोह में पहुंचे।

इस अवसर पर यह रहे प्रमुख रूप से उपस्थितकार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता राजू नरोटे, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष कांता ठाकुर, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष रिजवान कुरैशी, नगर युवा मोर्चा अध्यक्ष छिन्दवाड़ा बिट्टू विवेक मंडराह, विशवेन्द्र बैस, जिला पंचायत सदस्य नवीन मरकाम, वरिष्ठ भाजपा नेता वीरेंद्र राय, मंडल अध्यक्ष पवन बंजारा, भाजपा नेता दुर्गेश सलामे,विनोद अग्रवाल, सतीश मिश्रा, अधिवक्ता मंतोष डेहरिया, रियाज खान सहित प्रशासनिक अधिकारियों में एसडीएम कामनी ठाकुर,सीईओ संतोष मांडलिक,सहायक लेखाधिकारी राजू सूर्यवंशी, मो.असलम, एसडीओ आर.बी कैथवास, ममता ठाकुर, अमीन खान, मौसम चौरे, टीआई विजय सिंह ठाकुर सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

भाजपा सरकार में महिलाओं पर बढ़ता अपराध व अत्याचार: महिला कांग्रेस

कलेक्ट्रेट में धरना देकर सौंपा ज्ञापन, सुरक्षा को लेकर उठाए सवाल महिलाओं पर बढ़ती आपराधिक घटनाओं का उठाया मुद्दा

छिन्दवाड़ा। मासूम बेटियों, महिलाओं व युवतियों के साथ जिले व पूरे प्रदेश में हो रही दरिंदगी से आहत महिला कांग्रेस ने प्रदेश की भाजपा सरकार को मातृशक्ति की सुरक्षा हेतु जगाने व बढ़ते हुए अपराध पर रोक लगाने की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचकर ज्ञापन प्रस्तुत किया। जिला महिला कांग्रेस की पदाधिकारियों ने कलेक्ट्रेट में धरना देकर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चत करने की मांग की।जिला महिला कांग्रेस ने प्रस्तुत ज्ञापन में उल्लेख किया कि छिन्दवाड़ा जिला एवं सम्पूर्ण मप्र में मासूम बेटियों व महिलाओं के साथ लगातार जघन्य अपराध घटित हो रहे। महिलाओं से जुड़े बढ़ते आपराधिक मामलों से महिलाओं व बेटियों के मन में डर व दहशत का माहौल है वे घरों से अकेले निकलने में डर रही है। सरकार के संरक्षण प्राप्त असामाजिक गुंडों से आमजन को जान माल का खतरा है। धवस्त हो चुकी कानून व्यवस्था व भाजपा की सरकार में बेटियों व महिलाओं को सुरक्षित करने के लिए जिला महिला कांग्रेस ने बेटी बचाओ अभियान के तहत महिलाओं की सुरक्षा की मांग की, ताकि जिले व प्रदेश में महिलाएं, बहन व बेटियों निडर होकर घर से अपने कार्य व व्यवसाय के लिए निकल सके।प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम प्रस्तुत ज्ञापन में जिला महिला कांग्रेस ने विनम्रतापूर्वक आग्रह किया कि छिन्दवाड़ा जिले में नाबालिग बेटियों व महिलाओं पर बढ़ते अपराध को रोकने हेतु ठोस व कारगर कदम उठाए जाएं ताकि महिलाएं व बहन, बेटियां भयमुक्त होकर अपने समस्त कार्यों को कर सकें। ज्ञापन प्रस्तुत करते समय जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती किरण चौधरी, मंजू बैस, संगीता ठाकुर, दीपा यादव, रानू डेहरिया, सरला सिसोदिया, हंसा दाड़े, शोभा शर्मा, आम्रपाली, संतोषी गजभिये, माया सूर्यवंशी, अन्नू अरोरा व साधना सहित अन्य उपस्थित रहे।

नल के पाइप से गंदा एवं दुर्गंध जल प्रदाय होने के संबंध में जांच कराने मांग की

जनसुनवाई में सुनी गई 90 आवेदकों की समस्यायें

छिन्दवाड़ा। राज्य शासन के जनसुनवाई कार्यक्रम के अंतर्गत प्रति सप्ताह मंगलवार को आम नागरिकों की समस्याओं की सुनवाई की जाती है और संबंधित विभाग के अधिकारियों से इन समस्याओं का त्वरित निराकरण कराया जाता है। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के मार्गनिर्देशन में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अग्रिम कुमार ने आज कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में 90 आवेदकों की समस्यायें सुनी । इस दौरान जिले के शहरी और ग्रामीण, दूरस्थ अंचलों से आये आवेदकों ने सामूहिक और व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी समस्याओं के निराकरण के लिये आवेदन प्रस्तुत किये। जनसुनवाई में मुख्य रूप से भूमि का रकबा एवं खसरा नक्शा सुधारने, अतिक्रमण हटाने, प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, पीएम किसान सम्माननिधि की राशि दिलाने, गरीबी रेखा का राशन कार्ड बनाने, मकान पट्टा प्रदान करने, शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने व आर्थिक सहायता दिलाने आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुये। जनसुनवाई के दौरान आवेदकों के बैठने की व्यवस्था भी की गई थी। जनसुनवाई कार्यक्रम में आज ग्राम ढाकरवाड़ी के आकाश कहार ने गरीबी रेखा कार्ड बनाने, ग्राम दौरिया के ग्रामवासियों ने ग्राम सूखाभांड हारमउ से दौरिया-पाठाघोघरी-गुंजा डोंगरी के मध्य सड़क निर्माण कार्य एवं विद्युत कनेक्शन प्रदाय करने, उमरेठ के शमिल शरीक ने अपनी जमीन का सीमांकन कराने, ग्राम जटामा के श्री संतकुमार चौरिया ने प्राकृतिक बारिश और तूफान के कारण गेहूं की फसल पूरी खराब हो जाने पर मुआवजा राशि दिलाने, परासिया के वार्ड क्रमांक-06 के हनूलाल राय ने मरीज के इलाज के लिये स्वेच्छा अनुदान सहायता राशि दिलाने, ग्राम हिर्री के परसराम साहू ने मेड का कार्य नहीं करने एवं उचित जांच कार्यवाही करने, ग्राम ककई के प्रशांत शर्मा व हरीराम वर्मा ने खेत में बिजली ट्रांसफार्मर लगवाने, छिंदवाड़ा नगर के राजेन्द्र प्रसाद शुक्ला ने खसरे व जमीन का नक्शा काटने, वार्ड नंबर-7 महारानी लक्ष्मीबाई छिंदवाड़ा के उमेश कुमार डेहरिया ने निवासरत मकान का पट्टा दिलाने, वार्ड क्रमांक-38 पाठाढाना चंदनगांव में नल के पाइप से गंदा एवं दुर्गंध वाला जल प्रदाय होने के संबंध में जांच कराने आदि के आवेदन प्रस्तुत किये। इस दौरान कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में संयुक्त कलेक्टर श्रीमती ज्योति ठाकुर व डिप्टी कलेक्टर श्री आर.के.मेहरा सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय और संबंधित अधिकारियों द्वारा भी आवेदनों पर सुनवाई की गई।

नशामुक्ति अभियान के तहत खोला मोर्चा

अवैध शराब को लेकर गुलाबी गैंग कमांडर पूर्णिमा वर्मा ने संभाला मोर्चा

बिछुआ। आदिवासी विकास खंड में मध्य प्रदेश गुलाबी गैंग कमांडर पुर्णिमा वर्मा के द्वारा गांव गांव जाकर बैठक लिया गया । गुलाबी गैंग कमांडर ने बताया कि नशामुक्ति अभियान चलाकर गांव के गरीब परिवार को सुरक्षित करने का दायित्व खुद मैंने अपने जिम्मे अपनी गैंग के साथ लिया है और महिलाओं बच्चों के भविष्य को

संवारने के लिए आज अकलमा महालनवाडा सामरबोह में महिलाओ के द्वारा बैठक रखी गई थी मेरे द्वारा आगामी समय में मोहन सरकार कि शव यात्रा निकाल कर विरोध प्रदर्शन किया जावेगा हाल ही में जो जानकारी प्राप्त हुई है वहां विकराल रूप ले चुकी है गांव गांव शराब कि अवैध बिक्री किराना दुकान में शराब पान के ठेलों पर शराब कुचीयो एंव ढाबो में शराब बेचीं जा रही है जो आदिवासीयों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है सरकार कि गलत नितीयो के खिलाफ अब बिछुआ कि पचास पंचायत में गुलाबी गैंग का गठन होगा और आनेवाले दिनों में यहां आंदोलन जिले में कलेक्टर कार्यालय का घीराव करेंगे आज जिला कमांडर किरण मोहबे व गुलाबी गैंग के अन्य साथियों के साथ दौरा किया है और रुपरेखा तैयार किया है जो आगामी समय में शासन प्रशासन को शराब नीतियों पर सरकार बदलाव नहीं करती है तो गुलाबी गैंग अपना आक्रमक रवैया के साथ एक बार फिर जिला स्तर पर जन आंदोलन करने बाध्य होगी ।

खनिजों का अवैध परिवहन एवं उत्खनन करते पाए जाने पर ट्रेक्टर किए जब्त

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह एवं एसडीएम परासिया पुष्पेन्द्र निगम के निर्देशानुसार तथा प्रभारी खनि अधिकारी रविन्द्र परमार के मार्गदर्शन में जिला छिंदवाड़ा के परासिया अनुभाग के अंतर्गत खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भंडारण की रोकथाम के लिये खनिज, राजस्व व पुलिस विभाग के संयुक्त दल द्वारा आज तहसील परासिया एवं उमरेठ के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। क्षेत्र निरीक्षण के दौरान उमरेठ तहसील के अंतर्गत ग्राम मूंगा कुलबेहरा नदी से 04 ट्रैक्टर ट्रॉली द्वारा खनिज रेत का अवैध खनन करते हुए पाया गया, एवं एक बिना नम्बर ट्रैक्टर मय ट्रॉली में अवैध रूप से खनिज रेत का खनन करते पाये जाने से संयुक्त रूप से कार्यवाही करते हुए वाहनों को खनि नियमाधीन प्रावधानों के अंतर्गत शासकीय रूप से जप्त किया गया। साथ ही क्षेत्र निरीक्षण के दौरान ग्राम मूंगा परासिया मार्ग में खनिज मिट्टी/मुरूम का अवैध रूप से परिवहन करते हुए एक डंपर पाए जाने पर कार्यवाही करते हुए वाहन को खनि नियमाधीन प्रावधानों के अंतर्गत शासकीय रूप से जप्त किया गया।इन पांचो वाहनों ट्रैक्टर ट्रॉली व डंपर को पुलिस थाना देहात परिसर में शासकीय अभिरक्षा में खड़ा किया गया। वाहनों में खनि नियमाधीन प्रावधानों के अंतर्गत खनिज का अवैध खनन एवं परिवहन किए जाने से प्रकरण दर्ज किया जाकर जुर्माना राशि अधिरोपित किए जाने के लिये निर्णयन कलेक्टर न्यायालय छिंदवाड़ा के समक्ष प्रकरण प्रेषित किए जाने की कार्यवाही की जायेगी। कार्यवाही के दौरान सहायक खनि अधिकारी श्री महेश नगपुरे, श्री राजेश उईके, होमगार्ड सैनिक श्री देवेंद्र शर्मा तथा राजस्व एवं खनिज विभागीय संयुक्त अमला सम्मिलित था।

पांढुर्णा के ग्रामों मे अवैध शराब के अड्डों पर दी गई दबिश

छिन्दवाड़ा/पांढुर्ना। पांढुर्णा कलेक्टर अजय देव शर्मा के निर्देशानुसार जिला आबकारी अधिकारी अजीत एक्का के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग एवं पुलिस के द्वारा संयुक्त रूप से विगत दिवस पांढुर्णा जिले में अवैध शराब विनिर्माण, परिवहन, संग्रहण एवं विक्रय पर प्रभावी अंकुश लगाए जाने के लिये ग्राम कोंडर, रैयतवाड़ी के नदी, नालों में बन रहे अवैध शराब के अड्डों पर दबिश दी गई। जहां से दो चढ़ी हुई भट्टी, 6500 किलोग्राम महुआ लाहन एवं 35 लीटर महुआ निर्मित हाथ भट्टी, कच्ची शराब बरामद किया गया एवं जप्त कर

म.प्र. आबकारी अधिनियम 1915 संशोधित 2000 की धारा 34(1) च के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया। इस कार्यवाही में आबकारी उप निरीक्षक श्री नरेंद्र कुमार नागेश, बड़चिचोली चौकी प्रभारी श्री विक्रम बघेल, आबकारी आरक्षक सुश्री श्रध्दा राहंगडाले एवं श्री अमृत खवसे उपस्थित थे।

हनुमान पथ एवं चौरागढ़ में रोप वे स्वीकृत

केन्द्रीय मंत्री ने स्वीकृत किए 210 एवं 400 करोड़

छिंदवाड़ा। केन्द्रीय लोक निर्माण मंत्री नितिन गड़करी ने सौंसर में जाम सांवली मंदिर को जोड़ने हनुमान लोक पथ के लिए 210 करोड़ रूपये की लागत से फोरलेन एवं पंचमढ़ी से चौरागढ़ के लिए रोप वे निर्माण हेतु 400 करोड़ रूपए की स्वीकृत प्रदान कर दो बड़ी सौगात छिंदवाड़ा जिले को दी है। हनुमान लोक पथ के लिए नितिन गडकरी हनुमान जयन्ती पर आये थे तब उन्होने घोषणा की थी। इसके लिए स्थानीय नेता संदीप मोहोड़ नाना मोहोड़, गोपाल शर्मा एवं सांसद विवेक बंटी साहू ने मांग की थी। इसी तरह चौरागढ़ में भगवान शिव के दर्शन हेतु रोपवे के लिए 400 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी है। इसके लिए छिंदवाड़ा के सांसद विवेक साहू नर्मदापुरम के सांसद दर्शनसिंह लोधी एवं राज्यसभा सदस्य माया नारोलिया ने नितिन गड़करी एवं प्रधानमंत्री का आभार माना।

गांधी गंज के आसपास लगता है रोज जाम

ट्रैफिक पुलिस का इधर ध्यान नहीं

छिंदवाड़ा। गांधी गंज एवं स्टेशन रोड पर ट्रेफिक समस्या बनी हुई है, जब देखो तब जाम लग जाता है, ट्रेफिक पुलिस का इस ओर ध्यान नही है। गांधी गंज के अन्दर एवं बाहर मस्जिद रोड पर भारी पिकअप वाहन खड़े रहते है जो आवागमन में बाधक बनते है। ट्रेफिक पुलिस को चुन्नी सेठ की होटल वाली रोड गांधी गंज के अन्दर एवं मस्जिद वाली सड़क पर शाम के समय विशेष रूप से गस्त की जरूरत है। कुछ अडियल पिकअप एवं ट्रक वाले दुकानों के सामने दिन सड़क पर सामान भरते है जिससे जाम लगता है, क्षेत्रवासियों ने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि वे ट्रेफिक पुलिस को भेजकर नियमित गस्त करवाये जिससे ट्रेफिक सुचारू हो सके और जाम न लगे।

नाबालिग बालिका को भगाकर दुष्कर्म करने वाले को भेजा गया जेल

अमरवाड़ा। जनवरी माह में एक नाबालिक छात्रा को अपहृत कर डरा धमका कर जान से मारने की धमकी देकर लगातार नाबालिक के साथ दुष्कर्म दो माह तो करने वाले आरोपी के द्वारा बालिका को प्रांत के बाहर रखकर दुष्कर्म करते रहा मुखबीर एवं बालिका के रिश्तेदारों के पास हुई वार्तालाप के आधार पर पुलिस द्वारा नाबालिक बालिका को दस्तयाब किया वहीं भाग कर ले जाने वाले दुष्कमी को धर दबोचा पहुंचा पुलिस द्वारा आरोपी सरजू यादव पिता संतोष यादव निवासी केकड़ा थाना अमरवाड़ा को बी एन एस की धारा 137- 2- 87-64(2) एवं 3/4,5/6 पाक्सो एक्ट में थानेदार दीपा ठाकुर ने गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया

आबकारी अमले ने ग्राम सनकुआ व पलटवाड़ा में की छापेमार कार्रवाई

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के निर्देशन एवं जिला आबकारी अधिकारी अजीत एक्का के मार्गदर्शन में वृत्त परासिया के आबकारी अमले द्वारा वृत्त प्रभारी जीत सिंह धुर्वे के नेतृत्व में आज सर्वप्रथम ग्राम सनकुआ में झाड़ियों में छुपाकर रखी गई प्लास्टिक की कुप्पियों में भरे हुए महुआ लाहन को खोलकर विधिवत नष्ट किया गया । इसके बाद ग्राम पलटवाड़ा में नदी के अन्दर प्लास्टिक की बोरियों में भरकर रखे हुए महुआ लाहन को पानी से निकालकर विधिवत नष्ट किया गया तथा नदी में ही चालू भट्टी से मदिरा बरामद की गई। साथ ही पलटवाड़ा में ही गंगा माई के पास नदी किनारे महुआ लाहन बरामद कर सैंपल लेकर शेष महुआ लाहन को नष्ट किया गया। अंत में ग्राम पलटवाड़ा में ही एक घर की तलाशी के दौरान श्री नीलेश कहार के ऊपर प्रकरण कायम किया गया । इस कार्यवाही में कुल 6 प्रकरण दर्ज कर 1500 किलोग्राम महुआ लाहन नष्ट किया गया तथा 20 बल्क हाथ भट्टी मदिरा आबकारी विभाग द्वारा कब्जे में ली गई। इस कार्यवाही के दौरान आबकारी उप निरीक्षक जीत सिंह धुर्वे, आबकारी आरक्षक ओम नारायण बम्हने, सुश्री प्रियंका सरयाम, रविशंकर कंगाली तथा थाना शिवपुरी से प्रधान आरक्षक कलेहा काकोड़िया तथा आरक्षक श्री ललित भारद्वाज उपस्थित थे।

47 स्काउट एवं गाइड राज्य पुरस्कार जांच शिविर में शामिल

सफल स्काउट एवं गाइड राज्यपाल के हस्ते होंगे पुरस्कृत

छिन्दवाड़ा। भारत स्काउट गाइड राज्य मुख्यालय भोपाल के आदेश अनुसार संभाग स्तर पर राज्य पुरस्कार स्काउट गाइड जांच शिविर का आयोजन 8 से 12 अप्रैल 2025 तक जिला बालाघाट में आयोजित किया गया था। जिसमें छिंदवाड़ा जिले से 11 स्काउट, 30 गाइड एवं 6 स्काउट्स गाइड्स कुल 47 स्काउट गाइड की प्रतिभागिता रही। शिविर में प्रवेश से लेकर राज्य पुरस्कार तक के पाठ्यक्रम की जांच हुई। इस शिविर में सफल स्काउट गाइड को महामहिम राज्यपाल के हस्ते राज्यपाल पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। छिंदवाड़ा जिले से शासकीय एमएलबी कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय छिंदवाड़ा, विद्या भूमि पब्लिक स्कूल छिंदवाड़ा, बालाजी पब्लिक स्कूल छिंदवाड़ा, जगन्नाथ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय छिंदवाड़ा, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सोनाखार, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पीपला नारायणवार, सी.एम. राइज विद्यालय सौसर एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय घोटी विकासखंड सौंसर इस प्रकार जिले से 8 संस्थाओं के स्काउट एवं गाइड के छात्र छात्राओं की प्रतिभागिता रही। स्काउट गाइड के जिला संघ अध्यक्ष विनोद तिवारी ने स्काउट एवं गाइड के छात्रों को राज्य पुरस्कार के लिये अग्रिम बधाई दी है। इस शिविर में प्रवेश प्रथम सोपान व्दितीय सोपान, तृतीय सोपान एवं राज्य पुरस्कार तक के पाठ्यक्रम लिखित ओरल प्रैक्टिकल तीन तरह से जांच की गई। डी.ओ.सी. श्री नरेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि सभी सफल बच्चों को महामहिम राज्यपाल महोदय के हस्ते सम्मानित होने का गौरव प्राप्त होगा, जो हमारे जिले के लिए गौरव की बात है।

एनसीसी ने सिकल सेल एनीमिया के खिलाफ अभियान में जोड़ी ताकत

मध्य प्रदेश में 38,000 से अधिक कैडेट्स की जांच

भोपाल। सिकल सेल एनीमिया को जड़ से खत्म करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, मध्य प्रदेश में नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के साथ साझेदारी की है। यह पहल भारत सरकार के राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन के तहत की जा रही है, जिसका लक्ष्य वर्ष 2047 तक देश से इस बीमारी को समाप्त करना है।

सिकल सेल डिज़ीज़ एक आनुवंशिक विकार है, जो पुरानी एनीमिया, तीव्र दर्द, अवरुद्ध विकास और हृदय, फेफड़े, किडनी, हड्डियों और मस्तिष्क जैसे महत्वपूर्ण अंगों को नुकसान पहुंचाता है। हाल के वर्षों में केंद्रीय भारत में इस बीमारी की दर में वृद्धि देखी गई है, जिससे बड़े पैमाने पर हस्तक्षेप की आवश्यकता महसूस हुई।

एनसीसी की युवाओं में गहरी पहुंच को देखते हुए, एनसीसी ग्रुप मुख्यालय भोपाल ने जून 2024 में एनएचएम के साथ मिलकर अपने आठ यूनिट्स के प्रशिक्षण शिविरों के दौरान कैडेट्स की जांच शुरू की। बाद में यह पहल पूरे मध्य प्रदेश के पांचों एनसीसी ग्रुप्स में फैलाई गई, जो एनएचएम निदेशक और एनसीसी एमपी एवं छत्तीसगढ़ निदेशालय के अतिरिक्त महानिदेशक के बीच एक उच्चस्तरीय बैठक के बाद संभव हो सका। अभियान की अगुवाई लेफ्टिनेंट डॉ. सीबीएस डांगी कर रहे हैं, जो सिकल सेल एनीमिया और थैलेसीमिया के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्यातिप्राप्त विशेषज्ञ हैं। उन्हें मिशन के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इस समन्वित प्रयास के परिणामस्वरूप, प्रशिक्षण वर्ष जो 31 मार्च 2025 को समाप्त हुआ, उसमें 38,000 से अधिक एनसीसी कैडेट्स की सफलतापूर्वक जांच की गई। केवल जांच ही नहीं, जागरूकता भी इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य है। डॉ. डांगी के नेतृत्व में एनसीसी प्रशिक्षण शिविरों और संस्थानों में शैक्षणिक व्याख्यान और संवाद सत्र आयोजित किए गए। मार्च 2025 में उन्हें ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी, कांप्टी में प्रशिक्षु और रिफ्रेशर एनसीसी अधिकारियों को संबोधित करने के लिए भी आमंत्रित किया गया।

आगामी जागरूकता एवं स्क्रीनिंग कार्यक्रम – इस प्रयास को आगे बढ़ाते हुए, एनसीसी ग्रुप मुख्यालय भोपाल द्वारा एक सिकल सेल एवं थैलेसीमिया जागरूकता व स्क्रीनिंग कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। सिकल सेल एनीमिया और थैलेसीमिया के खिलाफ चल रहे इस अभियान को और अधिक सशक्त बनाने में मदद मिल सके।

इंदौर में निकली अनोखी बारात गर्मी और तेज धूप से बचने के लिए लगाया चलता टेंट

इंदौर। मध्यप्रदेश में शादियों का सीजन चल रहा है. हर शहर में जमकर शादियों का दौर जारी है। हालांकि गर्मी और धूप की वजह से शादियों में आने वाले रिश्तेदार परेशान हो रहे हैं। तो शादी वाले तरह-तरह के इंतजाम भी कर रहे हैं ताकि रिश्तेदारों को किसी तरह को ई तकलीफ न हो। एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, इसमें मेहमानों को गर्मी से बचाने के लिए खास इंतजाम किया है। खजराना क्षेत्र में अनोखी बारात निकली, इस बारात में लोगों ने जमकर नाच-गाना किया और आनंद भी लिया। खजराना निवासी पटेल परिवार ने शादी में अपने मेहमानों के लिए जबरदस्त इंतजाम किया। वायरल हो रहे वीडियो में दिख रहा है कि ये बारात दिन वक्त निकली है। लेकिन इस भीषण गर्मी में बारातियों को धूप से बचाने के लिए उनके साथ एक चलता फिरता टेंट भी निकला। वीडियो में दिख रहा है कि बारातियों के साथ एक टेंट भी चल रहा है, जिससे की बारातियों को धूप से बचाया जा सके। इतना ही नहीं घोड़े पर सवार दूल्हा भी टेंट के अंदर ही आगे बढ़ रहा ह।ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा ह।बता दें कि इससे पहले एक और बारात का वीडियो वायरल हुआ था जिसमें बाराती बारिश के दौरान सिर पर त्रिपाल लेकर चल रहे थे।

सौरभ मामले में और लोगों पर हो सकती है एफआईआर ईडी समन से बुलाकर करेगी पूछताछ

भोपाल। आरटीओ के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा और उसके कारोबार में सहयोगी रहे 12 लोगों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर चुकी ईडी अब इस मामले में कुछ और लोगों पर केस दर्ज कर सकती है। इसके चलते ईडी विशेष न्यायाधीश की अदालत में केस दर्ज करने के बाद पूरक चालान पेश कर सकती है। यह केस सौरभ के रिश्तेदारों तथा सौरभ को गोल्ड की सप्लाई करने वाले भोपाल के कुछ ज्वैलर्स पर दर्ज हो सकती है। जिन्हें समन जारी कर बयान लेने के लिए बुलाने की तैयारी है। ईडी ने 8 अप्रैल को ईडी कोर्ट में पेश की गई चार्जशीट में जिन्हें आरोपी बनाया है, उसके बाद कुछ और लोगों की भूमिका सामने आई है। इसके बाद ईडी की टीम अब सौरभ की काली कमाई से जुड़े ऐसे लोगों पर शिकंजा कसने की तैयारी में है। ईडी के चालान में अभी सौरभ शर्मा की सास रेखा तिवारी, उनके साले की पत्नी अनुभा तिवारी, शरद जायसवाल की मां कृष्णा जायसवाल, राजमाता भारत माता शिक्षा एवं समाज कल्याण समिति के उपाध्यक्ष दीपक अरोरा, मेंबर शुभम तिवारी आरोपी नहीं हैं। लेकिन अब इन्हें फिर समन जारी कर पूछताछ के लिए बुलाया जा सकता है। इनके बयान के आधार पर इन्हें आरोपी बनाया जा सकता है।

ज्वेलर्स ईडी की जांच की रडार में आए – बताया जाता है कि 19 दिसंबर को मेंडोरी में विनय हासवानी के प्लॉट से मिली इनोवा कार में जो 52 किलो सोना मिला था। वह सौरभ शर्मा द्वारा भोपाल और इंदौर के ही कुछ व्यापारियों से खरीदा गया था। जांच अफसरों की मानें तो सोना भले ही विदेशों से आया है लेकिन इसकी सप्लाई सौरभ तक लोकल के ज्वेलर्स के जरिए की गई है। इसलिए ऐसे ज्वेलर्स निशाने पर हैं।

खंडवा में फूटी नर्मदा पाइपलाइन, हरसूद में रेलवे ट्रैक किनारे तक पहुंचा पानी

खंडवा। जलसंकट के बीच बुधवार तड़के 5 बजे हरसूद क्षेत्र के सक्तापुर फाका के पास रेलवे ट्रैक किनारे नर्मदा की पाइपलाइनफूट गई। शुरुआत में पानी की बौछार सड़क की ओर थी, लेकिन बाद में रेलवे ट्रैक की ओर होने लगी। सुरक्षा के को लेकर रेलवे की टीम पर मौके पर पहुंची। नगर निगम के अधिकारियों ने जलसंकट के बीच सप्लाई को बंद नहीं किया, इससे रेलवे ट्रैक किनारे पानी जमा होने लगा। इसके बाद रेलवे अधिकारियों की शिकायत पर विश्वा कंपनी के कर्मचारियों ने पानी के बहाव को कम करने के लिए लीकेज वाले स्थान पर पत्थर रखे। घटना से फिलहाल रेलवे यातायात प्रभावित नहीं हुआ है। दोपहर तक न तो पानी की सप्लाई बंद की गई थी न ही पाइप लाइन से पानी की बौछार रोकी जा सकी थी। मौके पर पहुंचे विश्वा कंपनी के अधिकारी रूपेश पटेल को

रेलवे अधिकारियों ने सप्लाई बंद करने को कहा। इस पर पटेल ने शहर में जलसंकट का हवाला देते हुए कहा कि सप्लाई बंद नहीं कर सकते हैं।

मंडी जाने वाले उपज से भरे वाहनों को रोका– उधर, पानी बहने से 50 फीट दूर स्थित दिल्ली-मुंबई ट्रैक पर कोई दिक्कत न हो, इसके लिए रेलवे अलर्ट हो गई है। पीडब्ल्यूआई सतीश कैथवास, आरपीएफ के रमेश कुमार, शीतल भी मौके पर पहुंचे। पानी के बहाव को देखते हुए मौके पर मंडी जाने वाले उपज से भरे वाहनों को भी रोका गया।

लीकेज वाले स्थान पर छोटे-बड़े पत्थर रखे– सक्तापुर फाका के पास नर्मदा पाइपलाइन से पानी का बड़ा फव्वारा निकल रहा था। क्षतिग्रस्त पाइपलाइन स्टेट हाईवे और रेलवे लाइन के बीच स्थित है। रेलवे विभाग ने ट्रैक की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई, जिसके बाद विश्वा कंपनी के कर्मचारियों ने पानी के बहाव को कम करने के लिए लीकेज वाले स्थान पर छोटे-बड़े पत्थर रख दिए हैं। अधिकारियों के अनुसार, इस अस्थायी समाधान से रेलवे मार्ग किसी तरह से प्रभावित नहीं हुआ है।

महिलाओं ने किया था चक्काजाम– खंडवा में जलसंकट को लेकर महिलाओं ने चक्काजाम कर दिया था। विरोध-प्रदर्शन के दौरान मौके पर पहुंचे एसडीएम बजरंग बहादुर ने प्रदर्शन कर रही महिलाओं को कार्रवाई कर एफआईआर की धमकी दी।

पाइपलाइन की समस्या से जलसंकट

शहर में नर्मदा पाइपलाइन के बार-बार फूटने से आबादी जलसंकट का सामना कर रही है। शहर की पूरी जल आपूर्ति एकमात्र इसी पाइपलाइन पर निर्भर है, जो विशेषकर गर्मियों में अक्सर क्षतिग्रस्त हो जाती है। नगर निगम के अनुसार, प्रोजेक्ट में भ्रष्टाचार के चलते लोहे की जगह पीवीसी पाइप का उपयोग किया गया, जो कमजोर होने के कारण बिजली की अनियमितता से उत्पन्न दबाव को सहन नहीं कर पाते। वहीं पेयजल आपूर्ति करने वाली निजी कंपनी विश्वा का कहना है कि गर्मियों में मूंग की फसल के लिए किसान जानबूझकर पाइपलाइन को क्षतिग्रस्त कर देते हैं।